www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 09 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
31 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:00
सूर्यास्तः 06:22
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 22°00

पेज 07

विशेष समाचार माओवादी मुक्ति से शांति एवं ... >> पेज 04 | 'बहू को नहीं देना होगा सास ... >> पेज 06 | 40 की उम्र में सोनम कपूर...

गोली का जवाब गोली से मिलेगा', लोकसभा में बोले अमित शाह
'देश नक्सलवाद से मुक्त'

चर्चा

■ शाह ने कहा- ये परिवर्तन विकास और अन्याय के कारण नहीं हुआ। कठिन भूगोल और स्टेट की पहुंच न होने से वामपंथियों ने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आदिवासी क्षेत्र को चुना और भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाना चालू किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त कराने के प्रयासों पर चर्चा के दौरान अपना संबोधन दिया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज बस्तर से नक्सलवाद लगभग-लगभग समाप्त हो चुका है। बस्तर के अंदर हर गांव में स्कूल बनाने की मुहिम चली। बस्तर के अंदर हर गांव में राशन की दुकान खोलने की मुहिम चली। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 'मैं इतना ही पूछना चाहता हूं कि नक्सलवाद को जो लोग यहां पर वकालत कर रहे थे कि ये 70 से अब तक क्यों नहीं मिला। पूरे देश को 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश के हर गरीब को घर मिला, गैस मिला, शुद्ध पीने का पानी मिला, 5 लाख तक का स्वास्थ्य का बीमा मिला, प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज मिला, लेकिन ये बस्तर वाले क्यों छूट गए थे।' गृह मंत्री ने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 75 साल में 60 साल तो शासन आपने किया, आदिवासी अभी तक विकास से क्यों महरूम रहे? 60 साल आपने उन्हें घर नहीं दिया, पानी नहीं दिया, स्कूल नहीं बना, बैंक की फैसिलिटी नहीं पहुंचने दिया, इसलिए पहले थोड़ा अपनी गिरेबान में झांककर देखो कि दोषी कौन है। >> (शेष पेज 06 पर)

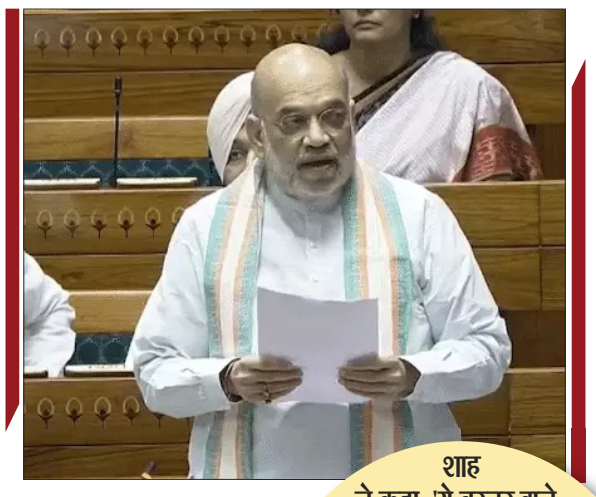

शाह बोले- भूपेश बघेल को पूछो प्रूफ दूं क्या

शाह ने कहा- 20 अगस्त 2019, 24 अगस्त 2024 और 31 मार्च 2026, तीन तारीख बताना चाहता हूं। 20 अगस्त 2019 को गृह मंत्रालय में एक मीटिंग हुई। पूर्व नक्सलियों को खुफिया इनपुट में लेने का काम, ये सब उसी मीटिंग में डिजाइन किए गए। देर क्यों लगी, क्योंकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने नक्सलवादियों को बचाकर रखा। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया। >> (शेष पेज 06 पर)

गृह मंत्री ने कहा- नक्सली हिंसा करने वालों के दिन लद गए हैं

अमित शाह ने कहा- नक्सलियों के पास से जो हथियार पकड़े गए वो पुलिस से लूटे गए थे। उन हथियारों से महिलाओं, बच्चों, निर्दोष जवानों और किसानों को मारा गया। वामपंथी विचारधारा ने इसको प्रोपेगैंडा के माध्यम से एक भ्रम की तरह फैलाया। उन्होंने अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए कहा कि अन्याय से बचने के लिए हथियार हाथ में उठाए।

शाह ने कहा, 'ये बस्तर वाले इसलिए छूट गए थे, क्योंकि वहां लाल आतंक का परछाई थी, इसलिए वहां विकास नहीं पहुंचा। मोदी सरकार में आज वो परछाई हट गई है, और इसलिए आज बस्तर विकास कर रहा है। ये नरेन्द्र मोदी की सरकार है, जो हथियार उठाएगा, उसका हिसाब चुकता होगा।'

शाह आज अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आए हैं

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- भारत माता के सबसे दर्दनाक घावों में एक नक्सलवाद है। देश को यह घाव कांग्रेस ने दिया। हमारे नेता ने संकल्प लिया था कि नक्स्लवाद को 31 मार्च, 2026 तक खत्म कर देंगे और वे आज अपना रिपोर्टकार्ड लेकर आए हैं। इसके कहते हैं- संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा।

आईबीसी बिल से दिवाला प्रक्रिया मजबूत होगी

लोकसभा में इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड बिल पर जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इसपर 40 सदस्यों ने अपनी बात रखी है। हम यह बिल भारत में दिवाला प्रक्रिया के ढांचे को मजबूत करने के लिए ला रहे हैं। 2016 से अब तक के अनुभवों को इस बिल में शामिल किया गया है।

हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया

महुआ मोइत्रा ने नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान कहा कि आज देश राइटविंग आतंकवाद से त्रस्त है। एनर्जी क्राइसिस से निपटने के लिए किसी रोडमैप की कोई बात नहीं हो रही है। आज आपने अचानक नक्सलवाद पर चर्चा शुरू करा दी। कितने महान हैं अमित शाह जी, सबको ठोक कर ठंडा कर दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद 1969 में सिलीगुड़ी के पास नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ और बाकी जगह फैला। लेफ्ट विंग एक्स्ट्रीमिज्म कानून-व्यवस्था की परेशानी नहीं थी। >> (शेष पेज 06 पर)

मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक, कहा- ईरान युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ
अमेरिका के लिए स्पेन ने एयरस्पेस किया बंद

प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पहले ही अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान की आलोचना कर चुके हैं। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प ने इस फैसले के जवाब में व्यापार से जुड़े कदम उठाने की धमकी दी है।

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

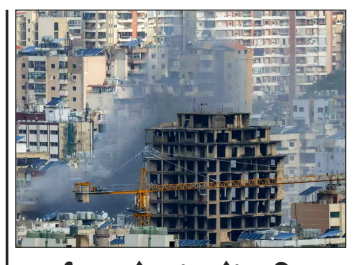

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। स्पेन ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल अमेरिकी सैन्य विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। साथ ही मिलिट्री बेस के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी है। स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गारीटा रोब्लेस ने कहा कि वे अपने एयरस्पेस और सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े किसी भी सैन्य अभियान के लिए नहीं होने देंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

इराक से तुर्किये को कच्चे तेल की सप्लाई शुरू

ईरान ने जंग में पाकिस्तान की मध्यस्थता से इनकार किया

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह पाकिस्तान की तरफ से की जा रही किसी भी मध्यस्थता की कोशिश का हिस्सा नहीं है। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास के बयान के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के साथ उसकी कोई सीधी बातचीत नहीं चल रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

ईयू ने ईरान पर मानवाधिकार प्रतिबंध एक साल के लिए बढ़ाए

यूरोपियन यूनियन (EU) ने ईरान पर लगे मानवाधिकार से जुड़े प्रतिबंधों को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। अब ये पाबंदियां 13 अप्रैल 2027 तक जारी रहेंगी। EU ने कहा है कि जिन लोगों और संस्थाओं पर ये प्रतिबंध लगे हैं, वे यूरोप के देशों में यात्रा नहीं कर सकेंगे और उनकी संपत्तियां भी जब्त या फ्रीज रहेंगी। इसके अलावा, ईरान को ऐसे उपकरण भेजने पर भी रोक रहेगी जिनका इस्तेमाल लोगों पर नजर रखने या उन्हें दबाने के लिए किया जा सकता है। >> (शेष पेज 06 पर)

आंध्र प्रदेश: नेवी कर्मचारी ने प्रेमिका के तीन टुकड़े किए

सिर जलाया, दूसरा हिस्सा बेड के नीचे, तीसरा फ्रिज में छिपाय थाने पहुंचकर अपराध कबूला

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक शादीशुदा नेवी कर्मचारी ने रविवार 29 मार्च को अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। फिर उसके शव के कई टुकड़े कर दिए। इसके बाद खुद पुलिस स्टेशन गया और अपना अपराध को कबूल कर लिया। मृतक की पहचान 31 साल की मोनिका के रूप में हुई है। >> (शेष पेज 06 पर)

केवल आरएसएस को ही विदेशी फंड मिलेगा : राहुल
संघ नफरत फैलाता है, लोगों को बांटता है

कोलकाता/गुवाहाटी/चेन्नई/तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। देश के 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव हैं। सभी राज्यों में पार्टियों की जनसभा, रैली और प्रत्याशियों का जनसंपर्क जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं।

उन्होंने कोट्टायम में कहा- विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA) में संशोधन विधेयक लाया जाना है। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

निशिकांत दुबे को मेंटल डॉक्टर की जरूरत : नवीन

नई दिल्ली। ओडिशा के पूर्व CM और बीजू जनता दल (BJD) चीफ नवीन पटनायक ने सोमवार को पिता बीजू पटनायक पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की आलोचना की।

नारेबाजी बवाल

पटना यूनिवर्सिटी में नीतीश के कार्यक्रम में हंगामा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना यूनिवर्सिटी में एकेडमिक भवन और प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान छात्र नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान छात्रों ने पटना DM चोर है और डिप्टी CM गो बैक के नारे भी लगाए।

CM के पहुंचने से पहले भी छात्र नेता नारेबाजी कर रहे थे। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर का कहना है कि इस कार्यक्रम के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई थी। यहां तक कि कुलपति को भी इसके लिए निमंत्रण नहीं दिया गया है।

महिला ने बेटियों का सरनेम बदला, पिता ने की शिकायत

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में एक महिला ने अपनी दोनों बेटियों का सरनेम बदल दिया। बच्चियों के पिता की शिकायत और कोर्ट के आदेश पर पत्नी और वीबग्योर स्कूल के मालिक रुस्तम केरावाला के खिलाफ अटलादरा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा शब्बीर अहमद लोन दिल्ली में अरेस्ट
तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल तैयार कर रहा था

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को लश्कर-ए-तैयबा (Let) से जुड़े आतंकी शब्बीर अहमद लोन को दिल्ली बॉर्डर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह बांग्लादेश से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, शब्बीर दिल्ली, कोलकाता और तमिलनाडु में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की तैयारी में था। यह पूरा नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर ऑपरेट हो रहा था।

साल 2007 में भी दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद के आरोपों में लोन को गिरफ्तार किया था। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (CIK) ने 26 मार्च को शब्बीर के आतंकी मॉड्यूल की जांच के लिए कश्मीर के तीन जिलों, गांदरबल, शोपियां और श्रीनगर के 10 ठिकानों पर रेड मारी थी। >> (शेष पेज 06 पर)

■ 26 मार्च को शब्बीर अहमद लोन से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

13 जिलों के एसपी के साथ 27 आईपीएएस अधिकारियों के तबादले
पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

तबादला

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। शासन ने सोमवार को 13 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 27 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पुलिस उपायुक्त शशांक सिंह को महोबा का एसपी, विश्वजीत श्रीवास्तव को बहराइच का एसपी और निपुण अग्रवाल को मुरादाबाद की नौवीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। बहराइच के एसपी रामनयन सिंह को नोएडा स्थित 49वीं वाहिनी भेजा गया है। >> (शेष पेज 06 पर)

कमिश्नरेट से जिलों की ओर रवानगी

इस तबादला सूची में एक खास बात यह रही कि लखनऊ और गौतमबुद्धनगर जैसे बड़े कमिश्नरेट में तैनात कई पुलिस उपायुक्तों को जिलों की कमान दी गई है। अमित कुमार आनन्द और डॉ. दीक्षा शर्मा को लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त (DCP) के पद पर तैनात किया गया है। विश्वजीत श्रीवास्तव को लखनऊ से हटाकर बहराइच का एसपी बनाया गया है।

प्रमुख जिलों में नए कप्तानों की तैनाती

शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार, शाहजहांपुर, एटा, रामपुर, चन्दौली, फिरोजाबाद और मऊ सहित कई महत्वपूर्ण जिलों के कप्तान बदल दिए गए हैंसौरभ दीक्षित अब शाहजहांपुर के नए एसपी होंगे। ईलामारन जी. को एटा का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।आदित्य लांग्हे को चन्दौली से हटाकर फिरोजाबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।सोमेन्द्र मीना को रामपुर और शक्ति मोहन अवस्थी को महाराजगंज का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। मऊ के एसपी इलामारन जी. को एटा का एसपी बनाया गया है। जालौन के एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार को अयोध्या की 6वीं वाहिनी एसएसएफ का सेनानायक बनाया गया है।

पीएसी और एसएसएफ में भी बदलाव

जिलों के साथ-साथ पीएसी (PAC) की वाहिनियों में भी नए सेनानायकों की नियुक्ति की गई है। राजेश द्विवेदी को 38वीं वाहिनी PAC अलीगढ़ और विद्यासागर मिश्र को 11वीं वाहिनी PAC सीतापुर का सेनानायक बनाया गया है। वहीं, डॉ. दुर्गेश कुमार अब अयोध्या में SSF की 6वीं वाहिनी के सेनानायक होंगे।

परिणाम : संघर्ष और मेहनत से मिली बड़ी सफलता, पूजा तिवारी बनीं 7वीं रैंक होल्डर
यूपीपीएससी 2024 रिजल्ट 16 अभ्यर्थियों ने रचा इतिहास

सफलता

■ सीमित संसाधनों के बीच हासिल की मंजिल
■ जिले में खुशी का माहौल, युवाओं को मिली नई दिशा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) के 2024 फाइनल रिजल्ट में अम्बेडकरनगर के अभ्यर्थियों ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। जिले से कुल 16 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जो बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

अलग-अलग पदों पर मिली जिम्मेदारी

अन्नू वर्मा का चयन ट्रेजरी अफसर पद पर हुआ है। वह पहले से डिप्टी जेलर के रूप में कार्यरत हैं। विमलेश कुमार डिप्टी एसपी बने हैं।अभिषेक पाल और अभिनंदन सिंह बीडीओ पद पर चयनित हुए हैं। अजय कुमार सिंह, अभिषेक वर्मा और राज सिंह नायब तहसीलदार बने हैं।विष्णुकांत मिश्र वाणिज्य कर अधिकारी और सर्वेश वर्मा व मयंक मौर्य असिस्टेंट कमिश्नर (सेल्स टैक्स) बने हैं। प्रियंका रावत ने भी पीसीएस में सफलता हासिल की है।

पूजा तिवारी ने 7वीं रैंक हासिल कर जिले को प्रदेश स्तर पर पहचान दिलाई है। इस सफलता के साथ उनका चयन एसडीएम पद पर हुआ है। श्रष्टि चौधरी ने 26वीं रैंक प्राप्त कर एसडीएम पद हासिल किया।इन उपलब्धियों के पीछे लंबे समय की तैयारी, अनुशासन और लगातार मेहनत रही। रिजल्ट के बाद पूरे जिले में खुशी का माहौल है। परिवारों में उत्साह देखा जा रहा है।16 अभ्यर्थियों की सफलता ने यह संदेश दिया है कि मेहनत और धैर्य से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यह उपलब्धि अब जिले के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है।

■ अम्बेडकरनगर के इन अभ्यर्थियों ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों के सामने कोई बाधा बड़ी नहीं होती।

पंक्चर बनाने वाले की बेटी बनी नायब तहसीलदार
यूपी पीसीएस पास किया तो मंदिर में फूट-फूटकर रोया

परिणाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) ने रविवार देर रात संयुक्त राज्य/उच्च अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2024 (UPPCS 2024) के फाइनल रिजल्ट घोषित कर दिए. इस परीक्षा में नेहा पांचाल ने टॉप किया है. जबकि दूसरे स्थान पर यूपी की अनन्या त्रिवेदी और तीसरे स्थान पर अभय प्रताप सिंह रहे. रिजल्ट आयोग की वेबसाइट https://uppsc.up.nic.in/ पर चेक किया जा सकता है. टॉप 10 में छह महिलाएं शामिल हैं. जिनमें से चार यूपी की हैं. आयोग के मुताबिक 24 श्रेणियों के लिए कुल 947 पदों पर भर्तियां की जानी है. लेकिन परीक्षा में कुल 932 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है. ऐसे में उपयुक्त उम्मीदवारों के उपलब्ध न होने के कारण व्यवस्थाधिकारी का एक पद और व्यवस्थापक के 14 पद खाली रह गए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

■ नेहा पांचाल ने किया टॉप, टॉप-10 में छाईं बेटियां

छात्रों के पास न गैस कनेक्शन, न इलेक्ट्रिक चूल्हा, छोटे सिलेंडरों से किसी तरह चल रहा गुजाराः अनित रावत

रसोई गैस संकट के खिलाफ आप छात्रविंग का प्रदर्शन

विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग (एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स) द्वारा सोमवार को रसोई गैस आपूर्ति संकट के खिलाफ छात्रों की गंभीर समस्याओं को लेकर राजधानी लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया गया और जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को विस्तृत मांग पत्र सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में __ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इस दौरान आप छात्रविंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-युवा

कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई। इस अवसर पर अनित रावत ने कहा कि मोदी सरकार की विफल विदेश नीतियों के कारण आज पूरा देश रसोई गैस आपूर्ति संकट से जूझ रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव प्रदेश के शैक्षणिक शहरों—लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी—में पढ़ाई कर रहे छात्रों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हजारों छात्र ऐसे हैं जो 10×10 के छोटे किराए के कमरों में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन आज उनके सामने भोजन बनाने तक का संकट खड़ा हो गया है।

डीएम के माध्यम से राज्यपाल को सौंपा मांग पत्र, कई कार्यकर्ता गिरफ्तार

रसोई गैस आपूर्ति संकट ने छात्रों की रसोई बुझाई, मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह विफलः अनित रावत (प्रदेश महासचिव, छात्रविंग, आप यूपी)

किराए के कमरों में रहने वाले छात्रों पर रसोई गैस संकट की सबसे ज्यादा मार, सरकार तत्काल राहत देः अनित रावत

मुखमरी की कगार पर छात्र, 24-24 घंटे बिना भोजन रहने को मजबूर
- अनित रावत

उन्होंने बताया कि इन छात्रों के पास न तो केवल ज़रूरतमंदों की मदद के लिए थी, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश भी देती है।

इस अवसर पर रूचि श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि कपड़ा केवल एक साधारण वस्त्र नहीं, बल्कि यह किसी के लिए गरिमा, आत्मसम्मान और रोज़ी-रोटी का माध्यम भी बन सकता है। उन्होंने लोगों को प्रेरित किया कि वे अपनी अलमारियों में पड़े अनुपयोगी कपड़ों को सही हाथों तक पहुँचाकर किसी के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। यह अभियान इस बात का उदाहरण है कि छोटी-छोटी पहलें भी समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं।

इस गंभीर संकट के कारण अनेक छात्र 24-24 घंटे भूखे रहने को मजबूर

अनित रावत ने कहा कि इस गंभीर संकट के कारण अनेक छात्र 24-24 घंटे भूखे रहने को मजबूर हैं, अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं और कई छात्र तो अपनी शिक्षा बीच में छोड़कर गांव लौटने को विवश हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल गैस आपूर्ति का संकट नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय और शैक्षणिक संकट है, जो प्रदेश के भविष्य को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की छात्र विंग ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को विस्तृत मांग पत्र सौंपा है, जिसमें छात्रों के लिए अलग से रसोई गैस आपूर्ति की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने, 2-3 किलोग्राम के छोटे गैस सिलेंडर सस्ती और निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराने, प्रत्येक शहर में हेल्पलाइन नंबर जारी करने और विश्वविद्यालयों एवं छात्रावासों में सामुदायिक रसोई शुरू करने की मांग की गई है।

स्थायी गैस कनेक्शन है और न ही कोई वैकल्पिक साधन जैसे इलेक्ट्रिक चूल्हा उपलब्ध है। अब तक छात्र छोटे दुकानदारों से 2-3 किलोग्राम गैस लेकर किसी तरह अपना गुजारा करते थे, लेकिन अब न तो गैस उपलब्ध है और जहां मिल रही है, वहां 4-5 गुना अधिक कीमत वसूली जा रही है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष अंशुल यादव आशीष मौर्य प्रदेश सचिव अमन सोनी जिला अध्यक्ष आकाश सिंह, सुरज, आकाश,

अंत में अनित रावत ने दी चेतावनी

अनित रावत ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार युवाओं को बुनियादी सुविधाएं देने में पूरी तरह विफल रही है और जब छात्र अपने हक की आवाज उठा रहे हैं तो उन्हें दबाने के लिए पुलिसिया कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। अंत में अनित रावत ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो आम आदमी पार्टी की छात्र विंग पूरे प्रदेश में इस आंदोलन को और उग्र रूप देगी और सड़कों से लेकर विश्वविद्यालयों तक संघर्ष को तेज किया जाएगा।

नीरज, विशु यादव,पवन, आशिफ, दानिश, मनीष व अन्य साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर इको गार्डन भेज दिया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर अब सिर्फ 10 रुपये में मिलेगा नाश्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर अब यात्री केवल 10 रुपये में नश्ता कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने विमानन क्षेत्र में यात्रियों को सस्ता नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए इसकी पहल की है।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के चेक इन क्षेत्र में उड़ान यात्री कैफे का शुभारंभ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने वर्चुअल माध्यम से किया। लखनऊ एयरपोर्ट से प्रतिदिन करीब 120 उड़ानों की आवाजाही है।

लखनऊ से प्रतिदिन करीब 18 से 20 हजार यात्री विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भरते हैं। यहां यात्रियों ने पानी, चाय व अल्पाहार की कीमतें बहुत अधिक होने की शिकायतें लगातार इंटरनेट मीडिया एक्स पर भी दर्ज कराई है। इन शिकायतों को देखते हुए उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत सस्ती दर पर अल्पाहार उपलब्ध

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने किया वर्चुअल शुभारंभ।
- उड़ान योजना के तहत सस्ती दरों पर अल्पाहार उपलब्ध होगा।

कराने के निर्देश नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिए थे। टर्मिनल-3 के चेक-इन हाल में यह कैफे खोला गया है, जहां यात्रियों को मात्र 10 रुपये से अल्प आहार व पेय पदार्थ उपलब्ध होंगे। यहां किफायती दामों पर पानी, पेय पदार्थ, नाश्ता और मिठाइयां जैसी खानपान की अन्य वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

फास्ट न्यूज

एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजर ने खुद को गोली मारी

लखनऊ । लखनऊ के गुडंबा इलाके में बैंक के डिप्टी मैनेजर ने गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त कमरे में अकेले थे। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में मिले। मौके पर पहुंची पुलिस में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। मूल रूप से गोरखपुर निवासी काजी अहमद जैद (40) लखनऊ में आदिल नगर कल्याणपुर गुडंबा में परिवार के साथ रहते थे।

पुलिसवालों को चप्पल से पीटा, वर्दी फाड़ी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। लोगों ने सिपाहियों को लाठी-डंडों से पीटा। ईंट-पत्थर चलाए। महिलाओं ने सिपाहियों की वर्दी फाड़ दी। उन्हें चप्पल से मारा। सोमवार को घटना का CCTV सामने आया। मामले में 3 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव की है। हमलावर फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कल्याणपुर गांव में जितेंद्र उर्फ निर्मल कनौजिया रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, जितेंद्र ने डायल-112 को सूचना दी कि कुछ लोग गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य करा रहे हैं।

स्टेशन पर सो रही मां की गोद से बेटा चोरी

लखनऊ । लखनऊ स्टेशन पर सो रही एक मां की गोद से बेटा चोरी हो गया। वह पति से झगड़ा करके अमेठी से अपने 3 छोटे बेटों को लेकर लखनऊ आई थी। यहां रात में स्टेशन पर सो गई। सुबह जागी तो उसका एक बेटा वहां पर नहीं मिला। पूरा मामला 22 फरवरी 2026 का है। पति ने चारबाग जीआरपी में 30 मार्च को शिकायत दी है। इससे पहले अमेठी के थाना सुल्तान वारिसगंज में शिकायत दी थी।

रश्मि खंड सोसायटी में कपड़ा दान अभियान ने जगाई नई उम्मीद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के रश्मि खंड सोसायटी में एक सराहनीय पहल देखने को मिली, जहाँ समाज के जागरूक नागरिकों ने मिलकर ज़रूरतमंदों की सहायता के लिए कपड़ा दान अभियान आयोजित किया। इस नेक कार्य में गूंज संस्था की सक्रिय कार्यकर्ता रूचि श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अभियान में सोसायटी के कई निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मिनाक्षी सिंह, डॉ. भारती त्रिपाठी, रेनू सिंह, प्रतिभा त्रिपाठी सहित अन्य लोगों ने अपने नए एवं पुराने कपड़े, जूते तथा बच्चों की स्टेशनरी दान में दी। यह पहल न

सो रहे भाई के सिर पर रॉड मारी, चद्दर हटाते ही चीख पड़ी मां, बंथरा में सनसनीखेज वारदात

बड़े ने की छोटे भाई की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ में बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई के सिर-चेहरे पर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। दोनों ने रात में शराब पी थी। उसके बाद झगड़ा किया। झगड़े में बड़े भाई ने मां की गाली दी। इस पर छोटे ने धमकी दी कि अगर तुम बड़े न होते तो तुमको आज मार डालता।

इस पर मां ने बीचबचाव कर दोनों को शांत करा दिया। छोटा भाई जब सो गया तो बड़ा भाई छत से उतरकर उसके कमरे में रॉड लेकर पहुंचा। उसने सो रहे छोटे भाई के सिर और चेहर पर लोहे के रॉड से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला बंथरा थाना क्षेत्र के खांडेदेव गांव का है।

मृतक की पहचान आलोक उर्फ गोलू (24) के रूप में हुई। बड़े भाई

आलोक, मृतक

श्रवण गौतम (30) ने उसके सिर पर रॉड से मारा। आरोपी 3 भाई हैं। मझला भाई वीरेंद्र उर्फ अटल मानसिक रूप से कमजोर है। पिता पुत्तीलाल की 8 साल पहले मौत हो गई थी। पुलिस ने सुबह बड़े बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बड़ा भाई श्रवण और छोटा भाई आलोक मजदूरी करते हैं। रविवार रात करीब 9:30 बजे घर में सभी लोग खाना खा रहे थे। तभी दोनों भाइयों में बहस हो गई। श्रवण ने आलोक को मां की गाली दी। इस पर आलोक ने श्रवण को धक्का देते हुए मार डालने की धमकी दी। घरवालों ने बीचबचाव कर दोनों को अलग कर दिया। उसके बाद श्रवण छत पर सोने चला गया, जबकि आलोग कमरे में सो गया।

पुलिस बोली- सुबह हत्या की सूचना मिली, मुकदमा दर्ज

बंथरा थाना प्रभारी राणा राजेश सिंह ने बताया- सोमवार सुबह सूचना मिली कि किसी ने युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। जब मौके पर खांडेदेव गांव पहुंचे तो पता चला कि आलोक के सिर पर उसके सगे बड़े भाई श्रवण ने रॉड मारकर हत्या की है। दोनों में किसी बात को लेकर रात करीब 9:30 बजे झगड़ा हो गया था। उसके बाद दोनों सोने चले गए। जब आलोक सो गया तो उसी दौरान श्रवण ने मौका पाकर उसके सिर पर लोहे के रॉड से हमला कर दिया जिससे आलोक की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की मां यशोदा देवी की शिकायत के आधार पर बड़े बेटे पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मृतक के पिता पुत्तीलाल की 8 साल पहले मौत हो चुकी है।

- पुलिस ने आरोपी भाई श्रवण गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर रॉड भी बरामद कर ली है।

वारदात रविवार रात करीब 11 बजे की है। इसकी जानकारी सोमवार तड़के मां को तब हुई जब वह छोटे बेटे को जगाने गई। उसके चेहरे से चादर हटाई तो सिर और चेहरा खून से सना हुआ था। यह देखते ही मां बिलख पड़ी। इससे पड़ोसी भी जागकर वहां आ गए। पुलिस को सूचना दी गई।

गोबर और जैविक कचरे से ऊर्जा और खाद, पंचायतों को 28 लाख रुपये से अधिक की हुई आय

बायोगैस ऊर्जा से गांवों में चल रही आटा चक्कियां और तेल पिराई मशीनें

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गोबरधन योजना के माध्यम से ग्राम पंचायतें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत कर रही हैं। गोबर और जैविक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के जरिए गांवों में न केवल स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है, बल्कि इससे ऊर्जा और जैविक खाद का उत्पादन कर पंचायतों की आय में भी वृद्धि हो रही है। फरवरी 2026 तक ग्राम पंचायतों ने जैविक खाद और अन्य उत्पादों की बिक्री से 28 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की है, जिससे पंचायतों की स्वयं की आय (OSR) में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इन संयंत्रों से तैयार उत्पादों की बिक्री के माध्यम से ग्राम

पंचायतों की स्वयं की आय (OSR) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। फरवरी 2026 तक पंचायतों ने जैविक खाद और अन्य उत्पादों की बिक्री से 28 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। आय के मामले में ललितपुर जिला सबसे आगे है, जहां ग्राम पंचायतों ने गोबरधन योजना के माध्यम से 3,37,990 रुपये की स्वयं की आय (OSR) अर्जित की है। इसके बाद श्रावस्ती जिले में 2,87,036 रुपये तथा रामपुर जिले में 1,23,400 रुपये की आय दर्ज की गई है। पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेश के 74 जनपदों में 116 बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं, इनमें से कई संयंत्र गौशालाओं में स्थापित किए गए हैं, जहां गोबर और अन्य जैविक कचरे का उपयोग कर स्वच्छ ईंधन

गोबरधन योजना से गांवों में स्वच्छता से समृद्धि की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश

कचरे को संपदा में बदलने का यूपी मॉडलः 74 जनपदों में 116 बायोगैस संयंत्र स्थापित।

गोबरधन योजना से स्वच्छ ऊर्जा, जैविक खेती और पंचायतों की आय, तीनों को मिल रही मजबूती
- मा. पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी

और जैविक खाद तैयार की जा रही है। यह पहल कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ-साथ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद तैयार

प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थापित बायोगैस संयंत्रों के माध्यम से गोबर, रसोई कचरे और कृषि अवशेषों को संसाधित कर स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद तैयार की जा रही है। इस ऊर्जा का उपयोग गांवों में स्थानीय स्तर पर सुविधाओं के विकास के लिए किया जा रहा है। रामपुर जिले में बायोगैस ऊर्जा से तेल पिराई मशीन संचालित की जा रही है, जबकि आगरा, ललितपुर, श्रावस्ती, बुलंदशहर, बांदा, सोनभद्र और हरदोई जिलों में बायोगैस ऊर्जा से आटा चक्कियों का संचालन किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं और पंचायतों को नियमित आय का स्रोत भी मिल रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती के साथ रोजगार सृजन भी हो रहा हैं।

सपा-बीजेपी की तैयारी के बीच मायावती का बड़ा ऐलान

प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारियों की बैठक बुलाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के आगाज के बीच 29 मार्च को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने नोएडा में PDA रैली कर चुनावी अभियान का शंखनाद किया. वहीं अब बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी आज (सोमवार 30 मार्च) को बड़ा ऐलान कर दिया है. मायावती ने मंगलवार (31 मार्च) को पार्टी के लखनऊ कार्यालय में सभी प्रदेश व जिला स्तरीय पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है. जिसमें पार्टी की मजबूती के साथ ही आगामी रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है. पार्टी कार्यालय द्वारा मीडिया कवरेज की सूचना के मुताबिक पार्टी की चुनावी तैयारियां, संगठन की जमीनी मजबूती, आर्थिक स्थिति और सर्व समाज में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की भी समीक्षा होगी. इसके साथ ही आगामी आंबेडकर जयंती की तैयारियों पर भी चर्चा हो सकती है. पार्टी सूत्रों के मुताबिक बसपा सुप्रीमो मायावती पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक की कमेटियों की स्थिति, टारगेट की प्रगति और संगठनात्मक कार्यों की रिपोर्ट लेंगी. हाल के दिनों में बसपा ने संगठन को मजबूत करने और बहुजन एकता पर जोर दिया है. इस बैठक को मिशन 2027 के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इसके अलावा बाबा साहब की जयंती को लेकर भी चर्चा संभावित है. पार्टी पूरे जोर शोर से इस कार्यक्रम को मनाती रही है।

अपील : भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप, कहा-हर विभाग में लूट और भ्रष्टाचार

2027 चुनाव देश और संविधान बचाने की लड़ाई : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव देश और संविधान को बचाने का चुनाव होगा। Samajwadi Party के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि Bharatiya Janata Party ने Uttar Pradesh में भ्रष्टाचार और लूट के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पूरब से पश्चिम तक हर विभाग में कमीशनखोरी हावी है और बजट का पैसा विकास के बजाय नेताओं की जेब में जा रहा है।

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार के फैसलों से जनता परेशान है। महंगाई और बेरोजगारी से हर वर्ग प्रभावित है। उन्होंने दावा किया

अखिलेश यादव ने भाजपा को लेकर कहा कि वह चुनाव में गलत तरीकों का इस्तेमाल कर लोकतंत्र की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने की साजिश करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्ष को बदनाम करना भाजपा की रणनीति है।

कि भाजपा नेतृत्व हताश और घबराया हुआ है, इसी कारण विपक्ष पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि अब जनता भाजपा की नीतियों को समझ चुकी है और बदलाव चाहती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में जनता नफरत की राजनीति को खत्म कर देगी और भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी।

कार्यकर्ताओं को दिया बड़ा लक्ष्य, बूथ स्तर पर जुटने का आह्वान

सोमवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का चुनाव बेहद अहम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर पूरी ताकत के साथ जुटें और 2024 लोकसभा चुनाव से भी बड़े अंतर से जीत हासिल करने का लक्ष्य तय करें।

प्रीपेड मीटर के बावजूद 25,150 के बिल आने पर मंत्री ने लिया संज्ञान

चेयरमैन से वार्ता कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश

- पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता
- ए.के.शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कर आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस दौरान उन्होंने नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आए नागरिकों ने इंटरलॉकिंग, नाली निर्माण, सीवर व्यवस्था, विद्युत कनेक्शन, विद्युत बिल सुधार सहित

अन्य स्थानीय समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री श्री शर्मा ने सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान अमौसी क्षेत्र से आए एक शिकायतकर्ता ने अवगत कराया कि उनके यहां प्रीपेड मीटर स्थापित होने के बावजूद पिछले चार वर्षों से नियमित रूप से विद्युत बिल का भुगतान किया जा रहा था, लेकिन अचानक उन्हें 25,150 का बिल भेज दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में निष्पक्ष जांच कर मामले के समाधान की मांग की।मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने तत्काल ऊर्जा विभाग के चेयरमैन श्री आशीष गोयल से दूरभाष पर वार्ता कर प्रकरण की जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की त्रुटि या अन्याय न होने पाए। मंत्री श्री शर्मा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को समय से अवगत भी कराया जाए।

आंगनबाड़ी सेवाओं को मिला नया विस्तार, 200 कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को मिले नियुक्ति पत्र

'सुपोषित उत्तर प्रदेश' अभियान

लोकार्पण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । 'सुपोषित उत्तर प्रदेश' थीम के तहत सोमवार को आंगनबाड़ी सेवाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। राज्य स्तरीय आयोजन लोक भवन सभागार में हुआ, जहां मुख्यमंत्री ने नवचयनित कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इसी क्रम में जनपद स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे ने 200 नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। बताया गया कि 'सुपोषित उत्तर प्रदेश' अभियान का लक्ष्य कुपोषण को कम करना और बच्चों के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाना है। साथ ही महिलाओं को जागरूक कर परिवार स्तर पर पोषण संबंधी सुधार लाना भी इस पहल का हिस्सा है।

पोषण और महिला सशक्तिकरण पर जोर

कार्यक्रम में कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां समाज के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा में उनकी भूमिका अहम है।

20 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान जिले में 20 नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही बाल विकास परियोजना कार्यालय भीटी का उद्घाटन हुआ। जलालपुर और भीटी में नए परियोजना कार्यालयों के निर्माण के लिए शिलान्यास भी किया गया।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बच्चों और महिलाओं तक बेहतर पोषण सेवाएं पहुंचाना है। नए भवनों के निर्माण से सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, जिला विकास अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। बाल विकास परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

चौहान की बस्ती विद्यालय में मेधावी छात्र सम्मानित

विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को मिला पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जलालपुर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती, भियांव में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कक्षा 6, 7 और 8 के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कक्षा 6 में प्रियांशी ने प्रथम, कार्तिक चौहान ने द्वितीय और नैंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में मानवी विश्वकर्मा और राघवेंद्र संयुक्त रूप से प्रथम रहे। अंजू को द्वितीय और कार्तिक को तृतीय स्थान मिला। कक्षा 8 में आंशी गौड़ प्रथम, शिवांगी द्वितीय और आदर्श विश्वकर्मा तृतीय स्थान पर रहे।

सभी सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मीना मंच की गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। रजनी, सुप्रिया, शीतल, पंखुड़ी और प्रिया को प्रशस्ति पत्र और दीवार घड़ी दी गई। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास और सहभागिता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक राज बहादुर मिश्रा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और निरंतर मेहनत के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक राजकरन प्रजापति ने कार्यक्रम का संचालन किया।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार मौर्य, राजकरन प्रजापति और अरशद कमाल सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण भी शामिल हुए।

फास्ट न्यूज

मंत्री अनिल राजभर पीड़ित परिवार से मिले

बाराबंकी । बाराबंकी के टिकैतनगर क्षेत्र के परसवाल गांव में हुए हत्याकांड के बाद सोमवार को प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर पीड़ित बबलू राजभर के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार से मुलाकात की और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मंत्री ने परिवार को आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। यह घटना शनिवार को हुई थी, जब दरियाबाद थाना क्षेत्र के पारा बेहटा गांव निवासी बर्फ विक्रेता बबलू राजभर की सिर काटकर हत्या कर दी गई थी।

बाराबंकी में पूर्व कैबिनेट मंत्री संग्राम सिंह वर्मा का निधन

बाराबंकी। बाराबंकी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री व तीन बार विधायक रहे संग्राम सिंह वर्मा का सोमवार को निधन हो गया। 94 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। संग्राम सिंह वर्मा का स्वास्थ्य पिछले कुछ समय से खराब चल रहा था। इलाज के लिए उन्हें लखनऊ के शेखर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सोमवार दोपहर करीब 3 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही समर्थकों, जनप्रतिनिधियों और शुभचिंतकों में शोक की लहर फैल गई। बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके राजनीतिक योगदान को याद किया।

अनियंत्रित इलेक्ट्रिक कार ने शिक्षिका को मारी टक्कर

बाराबंकी । बाराबंकी शहर में सोमवार दोपहर गांधी आश्रम के पास एक अनियंत्रित इलेक्ट्रिक कार ने स्कूटी सवार शिक्षिका को टक्कर मार दी। इस हादसे में शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि एक अन्य युवक भी चोटिल हुआ है। देवा रोड स्थित ग्लोबल स्कूल की 33 वर्षीय शिक्षिका निशा सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी स्कूटी कार के अगले हिस्से में फंस गई।

कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में सुरक्षा और विज्ञान शिक्षा को मिलेगी नई दिशा

सुरक्षा बढ़ाने सीसी कैमरों की स्थापना की मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में सुरक्षा और प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए शासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना और बजट के तहत समग्र शिक्षा अभियान में इन विद्यालयों में सीसी कैमरों की स्थापना को मंजूरी दी गई है। यह पहल छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ अभिभावकों का विश्वास बढ़ाएगी। विद्यालय परिसरों की निगरानी अब अत्याधुनिक तकनीक से होगी।

प्रथम चरण में स्वीकृत धनराशि का 60 प्रतिशत जारी कर दिया गया है। दो प्रतिशत टीडीएस कटौती के बाद यह राशि अग्रिम रूप से राज्य परियोजना कार्यालय और संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यदायी संस्था का चयन पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से होगा। कार्य पूर्ण होने पर उपयोगिता प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होगा। इससे छात्राओं की नियमित उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार आने की संभावना है। बालिकाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष से जोड़ने के उद्देश्य से शासन ने नई पहल की है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में खगोल विज्ञान प्रयोगशालाओं (एस्ट्रो लैब) की स्थापना की मंजूरी दी गई है।

इस पहल के तहत छात्राओं को खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी व्यावहारिक रूप से प्राप्त होगी। इससे उनमें वैज्ञानिक सोच, नवाचार और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी।

शंकराचार्य ने किया ब्रह्मानंद सरस्वती के जन्मस्थल का दर्शन

गुरु की स्मृतियों को साझा किया और आदर्शों का प्रसार किया

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कांची मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को जलालपुर तहसील क्षेत्र के सुरहुरपुर गांव पहुंचे। उन्होंने अपने ब्रह्मलीन गुरु स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की जन्मस्थली पर श्रद्धापूर्वक नमन किया और लगभग एक घंटे तक वहां मौजूद रहे। इस अवसर पर शंकराचार्य ने गुरु से जुड़ी स्मृतियों को साझा किया और सभी से उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सनातन धर्म और हिंदुत्व का संदेश फैलाया। उनके प्रयासों ने समाज को जागृत करने और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरहुरपुर पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा और शंखनाद के साथ शंकराचार्य का स्वागत किया। जन्मस्थल पर पहुंचकर उन्होंने गुरु के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजक महेंद्र कुमार मिश्रा और अधिवक्ता राकेश कुमार पांडेय ने शंकराचार्य को गुरु से जुड़ी विभिन्न जानकारियां साझा कीं। इसके अलावा, मालीपुर थाना अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संजय मिश्रा, मनीष मिश्रा, प्रधान मनोज तिवारी, वीरेंद्र कुमार यादव, बंगाली पांडेय, रवि सोनी, दिनेश जायसवाल और विजय कुमार मौर्य सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने शंकराचार्य के संदेश को महत्वपूर्ण बताया और इसे युवाओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

जन्मस्थल को भव्य रूप देने की पहल

शंकराचार्य ने कहा कि गुरु की जन्मस्थली को भव्य स्वरूप देना पुण्य का कार्य है। उन्होंने इस निर्माण में स्वयं योगदान देने और अन्य श्रद्धालुओं के सहयोग को भी आमंत्रित किया। उनका यह संदेश समाज में संस्कृति और धार्मिक चेतना को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

सम्राट अशोक जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश की मांग

आलापुर में भव्य समारोह, हजारों ने किया सामूहिक भोज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । आलापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा हज़्ज़ीपुर में सम्राट अशोक महान की जयंती का भव्य आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हजारों लोगों द्वारा सामूहिक भोज ग्रहण करना था।

समारोह का शुभारंभ बौद्ध उपासक और कार्यक्रम संचालक रमेश मौर्य ने किया। उन्होंने उपस्थित समाज को बुद्ध वंदना, त्रिशरण और पंचशील का पाठ कराया। इसके बाद सभी अतिथियों ने महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर अतिथियों ने अपने संबोधन में सम्राट अशोक महान, तथागत गौतम बुद्ध, माता सावित्री फुले, ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जैसे महान व्यक्तित्वों के जीवन, विचारों और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कई प्रस्तुतियां दीं, जिनकी उपस्थित जनसमूह ने सराहना की। गायक हरिकेश गौतम और उनकी टीम ने अपनी मधुर प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोहा।

नीतीश का एमएलसी पद से इस्तीफा

भावुक

तेजस्वी बोले- बीजेपी ने दबाव में इस्तीफा दिलवाया, नितिन नवीन ने भी एमएलए पद से रिजाइन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । बिहार के CM नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा विजय चौधरी और MLC संजय गांधी लेकर विधान परिषद पहुंचे। मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये तो संवैधानिक प्रक्रिया है। आज उन्हें इस्तीफा देना था। उनका त्यागपत्र MLC संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सौंप दिया है।' नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद मंत्री अशोक चौधरी भावुक नजर आए। वो फफक कर रोते दिखे। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, 'बीजेपी ने मुख्यमंत्री से दबाव में इस्तीफा दिलवाया है।' इधर, BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा बिहार BJP के अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंप दिया है। नितिन नवीन ने कल असम जाने से पहले अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा था।

नीतीश कुमार के इस्तीफे पर रो पड़े मंत्री अशोक चौधरी।

मां के लिए नितिन नवीन ने किया भावुक पोस्ट

इस्तीफे के बीच बीजेपी अध्यक्ष ने मां को लेकर एक भावुक पोस्ट किया। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मां की परछाई तो नहीं है, पर मां का एहसास आज भी उसी तरह जीवंत है। पिछले 5 सालों में कई मुकाम और प्रतिष्ठा मिली, पर उन सब के बीच में कुछ खालीपन का एहसास हमेशा दिल को कचोटता भी है।

नीतीश कुमार सीएम बने रह सकते हैं

बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने साफ किया है कि अगर नीतीश कुमार चाहें तो वे अगले 6 महीनों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रह सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उनके साथ NDA के चार अन्य सदस्य भी चुने गए थे, जिनमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई सदस्य दूसरे सदन के लिए चुना जाता है तो उसे 14 दिनों के भीतर दोनों सदनों में से किसी एक से इस्तीफा देना जरूरी होता है।

गर्मी से पहले तैयारीः अकबरपुर में 95 ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ेगी

5 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अकबरपुर शहर में बढ़ते बिजली लोड को देखते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने बड़ा निर्णय लिया है। शहर के 95 छोटे ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। इस योजना से 5 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

निगम इस कार्य पर करीब 18 लाख रुपये खर्च करेगा। गर्मी के मौसम में ओवरलोड और लो-वोल्टेज की समस्या को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

गत वर्ष निगम ने 56 ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई थी, लेकिन 95 ट्रांसफार्मर इस प्रक्रिया से वंचित रह गए थे। इसके कारण शहर के कई इलाकों में लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रांसफार्मर जलने की समस्या बनी रही। सर्दी, बरसात और गर्मी—तीनों मौसम में उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर

गर्मियों में ओवरलोड की स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है।

निगम के अनुसार ट्रांसफार्मरों को बदलने और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक पूरा करने का लक्ष्य है। शहर में लगातार नई कॉलोनियों और मकानों की संख्या बढ़ रही है। इसके साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में भी इजाफा हुआ है। इससे बिजली कनेक्शनों और लोड दोनों में बढ़ोतरी हुई है। बिजली उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण गर्मियों में लोड बढ़ जाता है। कई फीडरों के अंतिम छोर पर लो-वोल्टेज की समस्या सामने आती है।

कई इलाकों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

योजना के तहत मीरानपुर, अब्दुल्लापुर, गांधीनगर, पटेल नगर, शास्त्री नगर, शहजादपुर, संगतिया, कृष्णा नगर, इंद्रलोक कॉलोनी, नेहरूनगर, शाहजहांपुर, रघुराजजीपुरम, राहुल नगर, मुरादाबाद, रसूलाबाद, रेलवे स्टेशन गली, मालीपुर रोड और बसखारी रोड समेत कई इलाकों में कार्य होगा।

यहां 10 केवीए और 16 केवीए के ट्रांसफार्मरों के साथ अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे। इससे लोड का संतुलन बेहतर होगा और बिजली आपूर्ति सुचारु रहेगी।

इमामबाड़ा बाज़िदपुर में ताज़ियती जलसा

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। तहसील क्षेत्र के बाज़िदपुर स्थित इमामबाड़ा में रविवार शाम लगभग 6 बजे उलेमा-ए-अम्बेडकरनगर व फैजाबाद की ओर से एक ताज़ियती जलसा, मजलिस और दुआ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के कई उलेमा, समाजसेवी और स्थानीय लोग शामिल हुए।

जलसे की अध्यक्षता मौलाना सैय्यद हैदरी साहब ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने मरहूम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन और समाज के प्रति किए गए योगदान को याद किया। उलेमाओं ने अपने संबोधन में लोगों से आपसी भाईचारा, धैर्य और धार्मिक मूल्यों को अपनाने की अपील की।मजलिस में मौलाना बाक़र मेहदी, मौलाना अशफ़ाक़ हुसैन, मौलाना ज़ग़म बाक़री, एम. रमज़ान अली, मौलाना सैय्यद आबिद, मौलाना क़ैसर अब्बास ख़ान, मौलाना मोहम्मद बाक़र और मौलाना क़म्बर अली ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने ताज़ियती कलाम भी पेश किया।

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2026 : तीन किलोमीटर क्षेत्र में चला विशेष अभियान

तमसा नदी के घाटों पर चला व्यापक सफाई अभियान

- अभियान के लिए पहले से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। प्रशासन ने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के तहत सोमवार सुबह तमसा नदी के चयनित घाटों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। सुबह 8 बजे गायत्री मंदिर घाट से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अभियान के अंतर्गत करीब तीन किलोमीटर क्षेत्र में सफाई कार्य कराया गया। प्रशासन ने नदी के घाटों को तीन हिस्सों में बांटकर जिम्मेदारियां तय की थीं। गायत्री मंदिर घाट से शाहजंगपुर पुल तक नगर पालिका परिषद अकबरपुर की टीम तैनात रही। शाहजंगपुर पुल से झारोड़ी पांडेय टोला पुल तक जिला पंचायत राज विभाग ने सफाई की जिम्मेदारी संभाली। वहीं झारोड़ी पांडेय टोला पुल से शिवालय घाट तक वन विभाग और विकास विभाग की निगरानी में कार्य हुआ। अभियान के दौरान पोकलैंड और जेसीबी मशीनों का उपयोग किया गया। नदी में जमी गंदगी हटाने के लिए नाव और अन्य उपकरण लगाए गए। नदी तटों और घाटों की गहन सफाई की गई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर कार्यों की निगरानी की। जिला स्तर के अधिकारियों, नगर निकाय, वन विभाग और अन्य विभागों के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से अभियान को संचालित किया।

जनभागीदारी से अभियान को मिली गति

अभियान में बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखने को मिली। प्रत्येक संस्था से तय संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। सभी ने निर्धारित ड्रेस कोड के तहत सफेद या संस्थागत टी-शर्ट पहनी। कार्यक्रम के दौरान लोगों को गंगा शपथ दिलाई गई। इसमें नदी संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

सिकंदरपुर बाजार में पुलिस की पैदल गश्त

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कानून व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए सोमवार को सिकंदरपुर बाजार में पुलिस ने पैदल गश्त की। यह गश्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) श्यामदेव के नेतृत्व में थाना सम्मनपुर की टीम द्वारा की गई। गश्त के दौरान बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस टीम ने प्रमुख स्थानों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजार मार्गों पर निरीक्षण किया।

पुलिस ने स्थानीय दुकानदारों और आम लोगों से बातचीत की। उन्हें शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील भी की गई।गश्त के दौरान लोगों को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और अफवाहों से बचने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नियमित गश्त जारी रहेगी। इसका उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना है।

- आमजन से संवाद कर कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील

सम्पादकीय

माओवाद से मुक्ति की घड़ी, देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि

माओवाद से मुक्ति की समयसीमा निकट आ जाने के पूर्व बस्तर में 25 लाख के इनामी माओवादी सरगना पापा राव ने अपने 17 साथियों के साथ जिस तरह हथियार डाले, उसे माओवादियों के इस सबसे बड़े गढ़ में माओवादी हिंसा के अंत का एक निर्णायक क्षण मानना स्वाभाविक है, क्योंकि यह इस क्षेत्र का आखिरी बड़ा माओवादी सरगना माना जाता था।

देश का माओवाद से मुक्ति की कगार पर पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि के लिए पूरा श्रेय मोदी सरकार और विशेष रूप से गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, जिन्होंने यह संकल्प लिया कि एक निश्चित अवधि में माओवादियों को घुटने टेकने के लिए विवश किया जाएगा। यह संकल्प पूरा होता इसलिए दिखाई दे रहा है, क्योंकि सुरक्षा बलों ने एक व्यापक और कहीं अधिक प्रभावी रणनीति के तहत माओवाद के खात्मे का अभियान छेड़ा।

अच्छी बात यह रही कि इस अभियान में माओवाद ग्रस्त सभी राज्यों और वहां के सुरक्षा बलों ने पूरा सहयोग दिया। यदि माओवाद दशकों से देश के लिए सिरदर्द और आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना रहा तो इसीलिए कि पहले की सरकारों ने उससे निपटने के मामले में वैसी प्रतिबद्धता का परिचय नहीं दिया, जैसी आवश्यक थी।

अब जब माओवाद अंतिम सांसें गिनता दिख रहा है तो यह ध्यान रहे कि ग्रामीण क्षेत्रों में हथियारबंद माओवादी भले ही असहाय-निरुपाय दिख रहे हों, लेकिन अर्बन नक्सल कहे जाने वाले उनके उन समर्थकों को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए, जो माओवादी संगठनों को वैचारिक खुराक देते रहे हैं। स्पष्ट है कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को हताश-निराश माओवादियों को फिर से सिर उठाने का अवसर नहीं देना चाहिए।

यह हिंसक विचारधारा किसी भी सूरत में दोबारा नहीं पनपनी चाहिए। माओवाद घोर अतिवादी एवं सभ्य समाज को चुनौती देने वाली एक विषैली और विजातीय विचारधारा है। स्पष्ट है कि इस विचारधारा का सामना विचार के स्तर पर भी करना होगा। ऐसा करते समय यह भी स्मरण रखना होगा कि निर्धन-वंचित ग्रामीणों और विशेष रूप से वनवासियों के हितों की रक्षा की फर्जी आड़ लेकर पनपी इस विचारधारा को समय-समय पर राजनीतिक संरक्षण भी मिला।

चूंकि माओवादी भोले-भाले ग्रामीण लोगों के हितों के बहाने कमीशनखोरी और उगाही करने वाले गिरोह में तब्दील हो गए थे, इसलिए वे अपने को सशक्त करते चले गए। सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही कि वे विभिन्न स्रोतों से आधुनिक हथियार एवं विस्फोटक भी हासिल करने में समर्थ रहे।

यह सबको और विशेष रूप से माओवादियों के दबे-छिपे समर्थकों और उनसे हमदर्दी रखने वालों को समझने की आवश्यकता है कि माओवाद सरीखी विनाशकारी विचारधारा के लिए इस देश में कोई स्थान नहीं हो सकता।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

> भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे।

ललित गर्ग

समान संहिता पर राह दिखाते राज्य, गुजरात में बहुमत से पारित यूसीसी

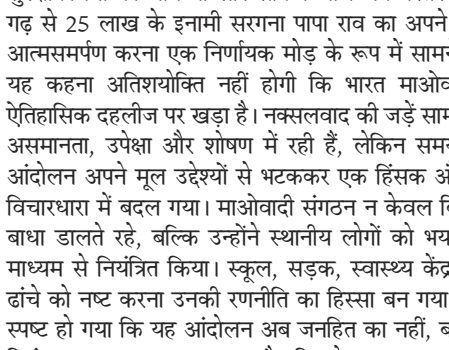

गत दिनों गुजरात विधानसभा में विस्तृत चर्चा के बाद 'गुजरात यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, 2026' को बहुमत से पारित कर दिया गया। इस कदम के साथ गुजरात, उत्तराखंड के बाद दूसरा ऐसा राज्य बन गया है, जहां व्यक्तिगत मामलों में धर्म-आधारित अलग-अलग कानूनों के स्थान पर एकसमान कानूनी ढांचा लागू किया गया है। विधेयक के अनुसार विवाह समारोह धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न किए जा सकते हैं, किंतु उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा। पंजीकरण न कराने की स्थिति में दस हजार रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है। विवाह की न्यूनतम आयु पुरुषों के लिए 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष तय की गई है। बहुविवाह को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह अमान्य माना जाएगा। तलाक के आधारों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिनमें क्रूरता, परित्याग, व्यभिचार, मतांतरण और मानसिक विकार शामिल हैं। साथ ही आपसी सहमति से तलाक का प्रविधान भी रखा गया है, किंतु विवाह के एक वर्ष के भीतर तलाक की अनुमति नहीं दी जाएगी। लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता देते हुए उसके पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है। यदि किसी पक्ष की आयु नाबालिग पाई जाती है, तो उसके माता-पिता को सूचित किया जाएगा। लिव-इन संबंध से जन्मे बच्चे को वैध संतान का दर्जा दिया जाएगा तथा महिला साथी को भरण-पोषण का अधिकार प्रदान किया गया है। बच्चों के पालन-पोषण में माता-पिता, दोनों की समान जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है। साथ ही उत्तराधिकार और संपत्ति के बंटवारे में पूर्ण लैंगिक समानता लागू की गई है, जिससे विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों के कारण उपजी असमानताओं को समाप्त करने का प्रयास किया गया है।

डॉ. जगदीप सिंह

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद...

डॉ. शैलेश शुक्ला

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक विफलता का प्रमाण है निरंतर हो रहे अंतरराष्ट्रीय युद्ध

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब वैश्विक समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना की, तब उसका मूल उद्देश्य स्पष्ट था—भविष्य में युद्धों को रोकना, राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा को स्थायी आधार प्रदान करना किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ अनेक युद्ध और सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य में सफल रही हैं। यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है।

उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी। यद्यपि मृत्यु दर में उतार-चढ़ाव देखा गया किंतु सक्रिय संघर्षों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि विश्व व्यवस्था में अस्थिरता गहराती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संघर्षों को रोकने या नियंत्रित करने में सीमित सफलता ही प्राप्त कर पा रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का मुख्य संरक्षक माना जाता है किंतु व्यवहार में उसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया कई बार उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती है। स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव केवल इसलिए पारित नहीं हो पाते क्योंकि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक हित उनसे टकराते हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस ने अनेक प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया, जबकि गाजा संघर्ष के दौरान भी विभिन्न प्रस्ताव स्थायी सदस्यों के मतभेदों के कारण लंबित या विफल रहे। इस स्थिति ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और क्षमता दोनों पर प्रश्न खड़े किए हैं, क्योंकि जब वही राष्ट्र, जिन पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी है, स्वयं संघर्षों में पक्षकार बन जाते हैं या अपने सहयोगियों के पक्ष में निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, तब संस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमित प्रभावशीलता का एक अन्य संकेत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार हो रही वृद्धि है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में विश्व का कुल सैन्य व्यय 2.718 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत भाग सैन्य खर्च पर व्यय किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्र सुरक्षा के लिए सामूहिक संस्थाओं पर भरोसा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस भूमिका को भी कमजोर करती है, जिसमें वे सामूहिक सुरक्षा और संघर्ष-निवारण के माध्यम से युद्ध की आवश्यकता को कम करने का प्रयास करती हैं। हाल के वर्षों में विश्व के कई प्रमुख संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतर-राष्ट्रीय संस्थाओं की मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थायी और सर्वमान्य समाधान नहीं निकल सका। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच हिंसा बार-बार युद्धविराम के बावजूद पुनः भड़क उठती है। सूडान में आंतरिक संघर्ष ने मानवीय संकट को जन्म दिया, किंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर सका। इन सभी उदाहरणों में यह देखा गया कि संस्थाएँ बयान जारी करने, मानवीय सहायता प्रदान करने और कूटनीतिक प्रयास करने तक तो सक्रिय रहीं, किंतु संघर्षों को शीघ्र समाप्त कराने या दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की इस विफलता के पीछे कई संरचनात्मक और राजनीतिक कारण हैं।

उपर्युक्त...

डॉ.बालमुकुंद पाण्डेय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से घबराहट के मायने!

यूनाइटेड स्टेट्स कमिशन ऑन इंटर-नेशनल रिलिजियस फ्रीडम एक स्वतंत्र आयोग एवं सरकारी अभिकरण है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका के दोनों राजनीतिक दलों (रिपब्लिकन पार्टी एवं डेमोक्रेटिक पार्टी) के सांसद होते हैं। इस आयोग की स्थापना सन् 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में हुआ था। इसकी स्थापना 1998 में अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत की गई थी। यह एक संघीय अभिकरण है जो विदेश मंत्रालय से अलग है एवं स्वतंत्र रूप से काम करती है। यू एस सी ए आर एफ हर साल अपने "वार्षिक धार्मिक प्रतिवेदन" तैयार करती है एवं वैश्विक स्तर पर "धार्मिक स्वतंत्रता" के उन्नयन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति, विदेश मंत्रालय एवं ' कांग्रेस' (अमेरिका की संसद) को सिफारिशें करती है। यह प्रतिवेदन वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर के देशों में "धार्मिक स्वतंत्रता" की स्थिति पर आधारित है एवं इसके साथ सिफारिशें की गई है। ये सिफारिशें "बाध्यकारी" नहीं होती हैं लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका के ' घरेलू नीतियों एवं अंतर्राष्ट्रीय नीतियों ' पर प्रभाव डाल सकती हैं। यह प्रतिवेदन " सातवीं" बार है जब आयोग ने भारत को ' कंट्री आफ पार्टिकुलर कंसर्न ' (सीपीसी) अर्थात ' विशेष चिंता का देश' घोषित करने की सिफारिशें किया है। ' विशेष चिंता का देश' वह देश होते हैं जहां "धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर निरंतर एवं बड़े उल्लंघन होते हैं"। वर्ष 2025 के प्रतिवेदन में 18 देशों को' विशेष चिंता के देश' बनाने की सिफारिश है जिसमें अफगानिस्तान, चीन, ईरान ,पाकिस्तान एवं रूस शामिल है। उपर्युक्त प्रतिवेदन में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति "और बिगड़ी" है। सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यों को खासकर मुस्लिम एवं ईसाइयों को आघात करने वाले नए विधि बनाए एवं क्रियान्वित किया। आयोग का आरोप है कि' हिंदू राष्ट्रवादी संगठनों' के कार्यकर्ताओं के समूहों ने मुसलमानों एवं ईसाइयों पर हमले किए हैं, हिंसा भड़काई एवं उन्हें परेशान किया गया लेकिन पुलिस ने ज्यादातर मामलों में " कुछ नहीं " किया। इसके ठीक विपरीत पुलिस ने मुसलमानों एवं अल्पसंख्यक समुदायों के बीच " विश्वास बहाली" के लिए " मोहल्ला समितियां" एवं " विशेष बैठकों" का आयोजन किया जिससे इन समुदायों में ' भय' एवं ' हताशा' को दूर किया जा सके। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) एवं ' संघ परिवार' ने इन लोगों के मध्य ' सेवा भाव' से कार्य किया है। ' सेवा भाव' धर्म, जाति,पंथ एवं समुदाय से ऊपर होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं उसके आनुषंगिक संगठन ' सेवा भारती ' ने समय-समय पर प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय त्रासदी एवं महामारियों के दौरान बृहद स्तर पर ' राहत एवं सहयोग' किया हैं।

जरा हटके

हालिया सैन्य ...

गौतम चौधरी

ईरान युद्धः न तो वैश्विक दादागीरी का समर्थन किया जा सकता है और न ही धार्मिक अधिनायकवाद का

युद्ध अक्सर राजनीतिक बहसों, सैन्य रणनीतियों और शक्तिशाली नेताओं की उच्च महत्वाकांक्षा और उस पर आधारित आपसी विवाद से प्रारंभ होता है लेकिन उसका अंत हमेशा आम लोगों की भयंकर पीड़ा व त्रासदी पर जाकर समाप्त होता है। ईरान बनाम इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के युद्ध ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि देशों के बीच होने वाले संघर्ष केवल सरकारों या सेनाओं तक सीमित नहीं रहते- वे आम लोगों के घरों, स्कूलों और सड़कों तक पहुँच जाते हैं, जहाँ निर्दोष जनता मारी जाती है। ऐसे समय में, जब दुनिया लगातार विभाजित होती दिख रही है, केवल भू-राजनीति की नहीं, मानवीय गरिमा, न्याय और शांति की तत्काल आवश्यकता पर भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।

हालिया सैन्य कार्रवाइयों-विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के विरुद्ध हमलों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना को जन्म दिया है। कई वैश्विक नेताओं ने इस युद्ध की खुल कर आलोचना की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। यही नहीं, उन नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा, ''इस प्रकार की कार्रवाई क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा कर सकती है।'' कुछ यूरोपीय नेताओं ने तो यह आशंका भी जताई कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो "नियम-आधारित व्यवस्था" की जगह "शक्ति का कानून" स्थापित हो सकता है जिससे वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता कमजोर पड़ जाएगी।

स्थिति और भी त्रासद तब हो जाती है जब आम नागरिक इसकी कीमत चुकाते हैं। हालिया संघर्षों के दौरान ईरान के एक स्कूल में हुए विस्फोट में सैंकड़ों बच्चों की मृत्यु की खबरें युद्ध की नैतिकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। ये घटनाएँ याद दिलाती हैं कि जब शक्तिशाली राष्ट्र टकराव में उतरते हैं तो केवल सैनिक ही नहीं मरते- परिवार उजड़ते हैं, बच्चे अपना भविष्य खो देते हैं और समाज ऐसे घावों के साथ जीने को मजबूर होता है जिन्हें भरने में पीढ़ियाँ लग जाती हैं।

सैन्य आक्रामकता, विशेषकर जब वह भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से प्रेरित हो, से शायद ही कभी मूल समस्याओं का समाधान हो पाता है। इसके विपरीत, यह अविश्वास और आक्रोश को और गहरा बना देता है। यही कारण है कि दुनिया भर में कई लोग शक्तिशाली देशों-विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं।

दैनिक चर्या का सरल फ़ॉर्मूला

दैनिक चर्या का सरल फ़ॉर्मूला यह हैं की सुबह समय पर उठे ,व्यायाम करे , ध्यान करे , धर्मआराधना करे , नित नियम में लग जाये , ज्यादा बैठने का काम पड़े तो हर 2 घण्टे बाद थोड़ा घूमे , समय पर भोजन करे , सायं को परिवार के साथ आपस में बात करे व समय पर सो जाये आदि । पर विडम्बना यह हैं की आज के समय में जो बड़े , छोटों , आदि में ज्यादा चलन यह हैं की प्रातः लेट से उठना , नाश्ता करना , दोपहर का भोजन देर से करना ,रात्रि में देर से खाना - खाना व फिर फोन में लगना और देर रात्रि को सोना और सुबह वापिस वो ही नियम चलना । मैंने अनुभव किया की कई - कई परिवारों में सामूहिक ,साथ में रहते हुए भी सप्ताह अन्त आदि में सबकी सामूहिक वार्तालाप होती हैं । यह जो चलन चल रहा हैं वह आगे अनचाही कई नयी - नयी बीमारियों को निमन्त्रण दे रहा हैं । कई डॉक्टर पूछते हैं मरीज को ,की आप अपने परिवार के साथ रोजाना कितना समय देते हो व अपना सुख - दुःख आपस में कितना आदान -प्रदान करते हो ,आदि - आदि । ज्यादातर मरीज डॉक्टर को सही उतर दे नहीं पाते हैं । डॉक्टरों का यह कहना काफी हद तक सही भी प्रतीत होता हैं की कई मरीज अपनी बीमारी से ज्यादा पारिवारिक व गलत दैनिक चर्या आदि से ग्रस्त हैं ,जिससे उनकी वास्तविक बीमारी सही होने के बजाय बढ़ती रहती हैं क्यूँकि उनको जो सही से मानसिक प्रसन्नतता होनी चाहिये वह नहीं रहती हैं । यह वर्तमान स्थिति चिंतनीय है । वैसे जीवन में पूर्ण शांति व प्रसन्नता के लिये तो पूर्ण विवेक, पूर्ण समझ व साधनामय चर्या की होती है जरूरत है ।थोड़ा विवेक,थोड़ी समझ से भी यदि की जाएंशुरूआत , तो भी देखी जा सकती है जीवन की बदलती सूरत।वे छोटी -छोटी बातें हैंअगर कोई काम न लगे सही तो उसे न करें उसे कतई। उसी तरह यदि कोई बात न लगे सच तो उसे न कहें कभी।बस इतनी सी समझ भी रख लें दैनिक व्यवहार में हम ,तो हो सकता है जीवनआ-नंदमय इस संसार में।ये दो बातें है छोटी - छोटी,पर है जीवन निर्माण के शुरुआत की खरी कसौटी। बचपन बीता, किशोरावस्था भी गई। युवावस्था आई, फिर वृद्धावस्था और समयानुसार जिन्दगी पूरी हुई। पर इस सतत गतिमान जीवन की अवधि में हमने जिस उद्देश्य से जन्म लिया हैं, उसकी सुध-बुध हमने कहाँ ली। बचपन में समय ही समय है पर समझ नहीं। किशोरावस्था भी बचपन की नांई निष्फिक्र ,मौज-मस्ती में गई।आई युवावस्था इसमें शक्ति है ,9शुभ संयोग से मन में भक्ति भी है। पर दिनचर्या ऐसी कि पारिवारिक जिम्मेदारियों में ही पूरी बीत जाती है। अब आ गई वृद्धावस्था ,जिसमें कुछ कर सकते नहींखास, रही ऐसी शारीरिक अवस्था तो कैसे हो भगवद् भक्ति की व्यवस्था।

› प्रदीप छाजेड़

सीतापुर में तड़के 3 बजे मस्जिद को ढहाया

कार्रवाई

5 बुलडोजर और 500 पुलिसवाले लेकर पहुंचे एडीएम, 12 साल पहले बनी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। मस्जिद 12 साल पहले बनाई गई थी। एडीएम नीतीश कुमार अफसरों के साथ सोमवार तड़के 3 बजे मौके पर पहुंचे। बुलडोजर मंगाए गए। इसके बाद मस्जिद को ढहाने की कार्रवाई हुई। सुबह 8 बजे तक मस्जिद को जमींदोज कर दिया।

मस्जिद जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के नयागांव बेहटी में बनी थी। अफसरों ने बताया- मस्जिद अवैध तरीके से तालाब की जमीन पर बनाई गई थी।

ग्राम सभा की शिकायत पर तहसील कोर्ट ने मस्जिद को गिराने का आदेश दिया था। बुलडोजर कार्रवाई के दौरान ADM, ASP, SDO समेत 500 पुलिस वाले तैनात रहे।

मस्जिद के मौलाना अब्दुल रहमान ने कार्रवाई के खिलाफ कुछ भी बोलने से इनकार किया। कहा- यह सियासी मसला है। इस पर कुछ कहना उचित नहीं है। कोर्ट से 6 जनवरी, 2026 को मस्जिद को अवैध घोषित करते हुए मालिकान को बेदखल करने का आदेश पारित हुआ। कोर्ट ने 15 दिन का नोटिस देकर मस्जिद से जरूरी सामान हटा लेने की हिदायत दी थी। मियाद पूरी होने के बाद अब ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। सोमवार रात एडीएम नीतीश कुमार, एएसपी आलोक सिंह, लहरपुर सीओ आलोक कुमार, एसडीएम लहरपुर आकांक्षा गौतम समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और मस्जिद को ढहा दिया।

12 साल पहले निर्माण, दो हॉल और 4 छोटे-छोटे कमरे थे

नयागांव बेहटी में 12 साल पहले 0.2430 हेक्टेयर यानी करीब डेढ़ बीघा जमीन पर मस्जिद 'सैयद हजरत उमर फारूक' का निर्माण कराया गया था। जमीन की कीमत 6 करोड़ रुपए है। मस्जिद के निर्माण में 1 करोड़ रुपए की लागत आई थी। मस्जिद में 120 फीट लंबा और 90 फीट चौड़ा एक हॉल था। इसके अलावा 4 छोटे-छोटे कमरे थे। मस्जिद की देखरेख की जिम्मेदारी मुतवल्ली आलम के पास थी।

मस्जिद में एक हाल, 4 कमरे बने हुए थे। प्रशासन ने सभी को ढहा दिया।

नोटिस के बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया

प्रशासन के मुताबिक, तहसीलदार लहरपुर ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत संबंधित पक्ष को पहले ही नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने ध्वस्तीकरण कार्रवाई का फैसला लिया। धारा-67 के तहत ग्राम पंचायत या स्थानीय प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जे को रोकने का प्रावधान है। तहसीलदार या उपजिलाधिकारी (SDM) अवैध कब्जा करने वाले को नोटिस जारी कर, जुर्माना लगाकर और सरकारी भूमि से बेदखल कर अवैध कब्जे का हर्जाना भू-राजस्व की तरह वसूल सकते हैं।

> मस्जिद को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्राम सभा ने दावा किया कि मस्जिद तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर बनाई गई। 18 दिसंबर, 2025 को ग्राम सभा की ओर से कोर्ट में वाद दाखिल किया गया।

बहराइच के मेधावी शुभम ने बढ़ाया जिले का मान

यूपीपीसीएस-2024 में नायब तहसीलदार पद पर हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS) द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित होते ही जनपद बहराइच के पयागपुर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। तहसील पयागपुर के ग्राम मधनगरा (खुटेहना चौराहा) निवासी शुभम ने अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर नायब तहसीलदार के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

शिक्षा का उत्कृष्ट सफर

शुभम की इस सफलता के पीछे उनकी वर्षों की तपस्या और उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि रही है। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा की यात्रा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शुरू की, जहाँ से वर्ष 2018 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने देश के प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय का रुख किया, जहाँ से वर्ष 2020 में स्नातकोत्तर (PG) और तत्पश्चात एम.फिल (M.Phil) की डिग्री हासिल की। शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण यह है कि वर्तमान में वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी (PhD) की शोध प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

परिवार और बुजुर्गों के आशीर्वाद को दिया सफलता का श्रेय

अपनी इस उपलब्धि पर शुभम ने भावुक होते हुए कहा कि उनकी सफलता की नींव उनके परिवार का त्याग और बड़ों का आशीर्वाद है।

फास्ट न्यूज

परीक्षा देने आईं पूजा तो पता चला एसडीएम बन गईं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा घोषित पीसीएस भर्ती 2024 के अंतिम परिणाम ने कई अभ्यर्थियों के सपनों को साकार किया, लेकिन लखनऊ की पूजा तिवारी की सफलता की कहानी सबसे खास रही। पूजा को अपनी कामयाबी की जानकारी उस वक्त मिली, जब वह प्रयागराज में पीसीएस मेंस 2025 की परीक्षा देने पहुंची थीं।

हिंदू-मुस्लिम का लिव-इन रिलेशनशिप में रहना अपराध नहीं

प्रयागराज । भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत अंतरधार्मिक जोड़े का लिव-इन रिलेशनशिप में रहना कोई अपराध नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरधार्मिक लिव–इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े द्वारा सुरक्षा की मांग वाली वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए की यह अहम टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 और साल 2021 के अधिनियम को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि अंतर-धार्मिक जोड़े का 'लिव-इन रिलेशन-शिप' में रहना कोई अपराध है।

बिना पंजीकरण छोटे प्लॉट पर निर्माण किया तो होगी कार्रवाई

गोरखपुर। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2025 में 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय एवं 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक भूखंडों पर निर्माण के लिए नक्शा पास कराने से मुक्ति दी गई है। लेकिन, इसके लिए पंजीकरण कराकर एक औपचारिक सूचना गोरखपुर विकास प्राधिकरण को देनी होगी। इसके लिए आनलाइन नक्शे के लिए बनाए गए पोर्टल फास्ट पास पर पंजीकरण कराना होगा।

मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का किया जा रहा वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच । पयागपुर राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत हाथीपांव के मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया जा रहा है. इसी कड़ी में बहराइच जनपद अंतर्गत पयागपुर सीएचसी पर 15 हाथीपांव के मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया. इसके साथ ही फाइलेरिया निरीक्षक विमल कुमार एवं डीसी पाथ अभिषेक जायसवाल के द्वारा सेल्फ केयर के बारे में जानकारी दी गयी. मरीजों को एमएमडीपी किट के माध्यम से टब, टॉवल, साबुन, तौलिया जैसी महत्वपूर्ण सामग्री दी जा रही है जिससे की फाइलेरिया पीड़ित मरीज एमएमडीपी किट से खुद को स्वच्छ रख अपना बचाव कर सकें. वहीं इस बीमारी से दिव्यांग हुए मरीजों को चिह्नित कर उनका ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा हैइस पहल का उद्देश्य है कि फाइलेरिया से दीर्घकालिक रूप से प्रभावित मरीजों को सरकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा लाभ का पूरा हक मिल सके, अधीक्षक डॉ धीरेन्द्र तिवारी ने बताया कि क्यूलेक्स मच्छर फाइलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटने के बाद किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटता है.तो उसे भी संक्रमित कर देता है, लेकिन संक्रमण के लक्षण पांच से 15 वर्ष में उभरकर सामने आते हैं।

इस दौरान कार्यशाला का संचालन बीपीएम पयागपुर अनुपम शुक्ल द्वारा किया गया पर्यवेक्षक पवन कुमार सहित आशाएं एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

यूपीपीएससी में कानपुर की श्वेता वर्मा की 21वीं रैंक

(बिल्हौर), कानपुर । कानपुर नगर के शिवराजपुर कस्बे की श्वेता वर्मा ने यूपीपीसीएस (UPPCS) परीक्षा में 21वीं रैंक हासिल किया। उन्हें एसडीएम का पद मिलने की संभावना है। श्वेता की शादी 4 साल पहले सुधांशु कुमार से हुई थी। श्वेता अभी चार महीने पहले ही मां बनी हैं। बेटी को जन्म दिया है।

श्वेता ने रामसहाय इंटर कॉलेज, बैरी शिवराजपुर से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पूरी की और फिर प्रयागराज से बीटेक की डिग्री हासिल की। वर्तमान में श्वेता और उनके पति सुधांशु कुमार, दोनों दूरदर्शन दिल्ली में असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं।

श्वेता के पिता जगदीश वर्मा सरकारी बैंक में कैशियर के पद से रिटायर हुए। जबकि मां हाउस वाइफ हैं। श्वेता तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी हैं। उनके छोटे भाई शैलेंद्र वर्मा शिवराजपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 7 से सभासद हैं।

मजदूर हथौड़ा से तोड़ रहे मकान-दुकान, 200 पुलिसकर्मी तैनात, ड्रोन से निगरानी

वाराणसी की दालमंडी में बुलडोजर एक्शन जारी

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के दालमंडी में सोमवार को भी दूसरे दिन सड़क चौड़ीकरण के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। PWD, पुलिस फोर्स और जिला प्रशासन के अफसरों की मौजूदगी में बुलडोजर से मकानों और दुकानों को तोड़ा जा रहा है।

वहीं जहां बुलडोजर नहीं पहुंच पा रहा है। वहां पर मजदूर भी हथौड़ा लेकर मकानों और दुकानों को तोड़ रहे हैं। करीब 200 पुलिसकर्मी तैनात हैं। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। इससे पहले रविवार को 30 दुकानों और मकानों को तोड़ा गया था। दरअसल, दालमंडी शहर की बड़ी प्राचीन गली है। वर्तमान समय में इस सड़क की चौड़ाई तीन से चार मीटर से बढ़ाकर 17.4 मीटर तक किए जाने का प्रोजेक्ट है। इसके लिए दालमंडी में स्थित 186 दुकान, मकान व इसी में 6 मस्जिद भी है। बुलडोजर से दुकानों को तोड़ा जा रहा है। कार्रवाई के समय उसका एक पंजा टूट गया। दुकानदारों का कहना है कि दालमंडी के घर और दुकान बहुत मजबूत हैं। इसे तोड़ना इतना आसान नहीं है।

यह चौड़ीकरण की जद में आ रही है, यही कारण है कि इनके ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया चल रही है। इसमें तमाम दुकानें ऐसी हैं जो पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएगी और कुछ दुकानें और मकान काफी हद तक टूट जाएंगी।

नए लुक में दिखेगी दालमंडी की सड़क

दालमंडी गली की सड़क आने वाले दिनों में नए लुक में दिखेगी। इसके माडल सड़क के रूप में विकसित करने की तैयारी है। जब PM नरेंद्र मोदी वाराणसी के 51वें दौरे पर प पहुंचे थे तो उन्होंने ही इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था। नई सड़क से लेकर चौक थाने तक 650 मीटर यह सड़क है, इसे अब 60 फीट चौड़ा किया जाना है। इसमें 30 फीट की सड़क रहेगी और दोनों तरफ 15-15 फीट की पटरी होगी। इससे काशी विश्वनाथ मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को राहत भी मिलेगी।

एसपी बोलीं- तौलिया उठाते वक्त रिवॉल्वर गिरी, उसी से बुलेट चली

सुल्तानपुर में इंस्पेक्टर के सीने में गोली लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के अखंड नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर अरुण द्विवेदी (50) को रविवार शाम 6 बजे सरकारी आवास में गोली लग गई। गोली उनके सीने को चीरते हुए कंधे में फंस गई। उन्हें लखनऊ PGI में लाया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। आज यानी सोमवार को उनकी सर्जरी की जाएगी। इंस्पेक्टर (क्राइम) अरुण द्विवेदी थाना परिसर में ही सरकारी क्वार्टर में रहते थे। एसपी चारू निगम ने बताया कि यह एक हादसा है। वो अपने कमरे में सामान रख रहे थे, तभी ये घटना हुई। खुद ही अपने घाव को हाथ से दबाकर बाहर आए। थाने के सिपाही और दरोगा से मदद मांगी। दरोगा कन्हैया पांडेय तुरंत उन्हें लेकर निजी गाड़ी से लखनऊ पीजीआई रवाना हो गए।

एसपी ने घटना की सूचना मिलने पर कादीपुर के सीओ विनय गौतम को मौके पर भेजा। सीओ ने बताया कि केस क्रिटिकल था। स्थानीय स्तर पर कोई अच्छा और बड़ा हॉस्पिटल नहीं है। इसलिए तत्काल बेहतर इलाज के लिए सीधे लखनऊ ले जाया गया।

एसपी ने बताया-गोली इंस्पेक्टर के सीने के पास लगी और दाहिने कंधे की हड्डी में जाकर अटक गई। उनकी हालत स्थिर है। कोई गंभीर आंतरिक चोट नहीं आई है।

अकेले थे क्राइम इंस्पेक्टर

एसपी ने बताया कि घटना के समय इंस्पेक्टर अरुण अपने कमरे में अकेले थे। कमरा अंदर से बंद था। सामान रख रहे थे। उनके पास उनकी निजी 32 बोर की लाइसेंसी रिवॉल्वर थी। जिसे वो हमेशा अपने पास रखते थे। शाम को तैयार होते समय उन्होंने रिवॉल्वर को एक तौलिये पर रखा था। जब उन्होंने तौलिया खींचा, तो रिवॉल्वर नीचे गिर गई और गोली चल गई।

एसपी ने बताया कि जांच के दौरान घटनास्थल का मुआयना किया गया तो पता चला कि फायर सरकारी गन से नहीं, बल्कि इंस्पेक्टर अरुण की 32 बोर की निजी लाइसेंसी रिवॉल्वर से हुआ था। रिवॉल्वर पूरी तरह से लोडेड थी। मौके पर एक खोखा मिला है, जबकि 5 जिंदा कारतूस रिवॉल्वर के अंदर मिले। रिवॉल्वर को जांच के लिए भेजा गया है। फर्श पर खून के छींटे भी पाए गए हैं।

मन की बात में गूंजा बाराबंकी

सौरभ बैसवार की सोच ने दिखाया 'नीति से नीयत' तक का रास्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। देश के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें संस्करण में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाराबंकी के युवा सौरभ बैसवार का उल्लेख किया, तो यह महज व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रही—यह उस बदलते भारत का संकेत बन गई, जहां गांव की सोच अब सीधे नीति निर्माण की मेज तक पहुंच रही है।

सूरतगंज ब्लॉक के छोटे से गांव सोहाई से निकलकर सौरभ बैसवार ने यह साबित किया कि वास्तविक समझ किताबों से नहीं, जमीन से आती है। मेरा युवा भारत के 'बजट क्वेस्ट' कार्यक्रम में उनका लेख चयनित होना इस बात का प्रमाण है कि देश अब उन युवाओं को सुन रहा है जो आंकड़ों से ज्यादा अनुभव और सच्चाई के साथ अपनी बात रखते हैं।

करीब 12 लाख प्रतिभागियों के बीच सौरभ की पहचान इसलिए अलग बनी क्योंकि उन्होंने किसानों की समस्याओं को सिर्फ बताया नहीं, बल्कि उसे जिया हुआ सच बनाकर सामने रखा। सौरभ के लेख का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जड़ों पर चोट की। आलू और मेंथा जैसी फसलों के गिरते दाम, आयात के बढ़ते दबाव और बाजार की अस्थिरता को उन्होंने केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक संकट के रूप में प्रस्तुत किया।

उनका मानना है कि यदि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलेगा, तो गांव की अर्थव्यवस्था कमजोर होती जाएगी और इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा।

युवाओं के लिए नई प्रेरणा

सौरभ बैसवार का यह सफर उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। बाराबंकी के आवास विकास कॉलोनी में रहकर अपनी तैयारी जारी रखने वाले सौरभ ने यह दिखा दिया कि अगर सोच स्पष्ट हो, तो मंच खुद रास्ता बना लेता है।

प्रधानमंत्री द्वारा सराहे जाने के बाद पूरे जिले में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल सौरभ की है, बल्कि पूरे जनपद की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देने वाली है। सौरभ बैसवार की कहानी इस बात का प्रतीक है कि अब गांव केवल योजनाओं के उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि नीति निर्माण के सक्रिय भागीदार बन रहे हैं।

वृंदावन में यमुना को निखारने की तैयारी

केसी घाट से देवरहा बाबा घाट तक होगा ट्रायल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वृंदावन में यमुना नदी को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू होने जा रही है। देवरहा बाबा घाट से केसी घाट तक यमुना के दोनों किनारो पर जियोलॉजिकल मैपिंग होगी। इसके आधार पर यमुना जल को प्रदूषण मुक्त करने सहित जल मार्ग विकसित करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जा सकेगा।

सोमवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद सभागार में परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्लोबल विकास ट्रस्ट के संस्थापक मयंक गांधी ने जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक वैज्ञानिक आंकड़े एकत्रित करने की योजना प्रस्तुत की। इसमें यमुना की वर्तमान स्थिति, सिल्ट, जल प्रवाह और प्रदूषण नियंत्रण के वैज्ञानिक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कान्त मिश्र ने प्रथम चरण में केसी घाट से देवरहा बाबा घाट तक ट्रायल प्रोजेक्ट के रूप में वैज्ञानिक अध्ययन का कार्य शुरू करने को कहा। तय किया गया कि चयनित क्षेत्र में पहले वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाएगा, जिसके आधार पर कार्ययोजना लागू की जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सिचाई सहित संबंधित विभागों को आवश्यक सहयोग और समन्वय के निर्देश दिए।

राहत : दुबई के रास्ते मुंबई पहुंचे, पत्नी बोली- क्रूड ऑयल की तस्करी में फंसाया गया था

ईरान जेल में बंद यूपी के मर्चेंट नेवी अफसर रिहा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । ईरान सरकार ने प्रतापगढ़ के रहने वाले मर्चेंट नेवी अफसर अनिल सिंह और गाजियाबाद के केतन मेहता समेत 8 भारतीयों को जेल से रिहा कर दिया है। इन सभी को क्रूड ऑयल तस्करी के आरोप में 8 दिसंबर 2025 को ईरानी नेवी ने गिरफ्तार किया था।

अनिल और केतन के साथ कुल 16 भारतीयों को अरेस्ट किया गया था। 8 को 23 दिसंबर 2025 को ही छोड़ दिया गया, जबकि बाकी 8 भारतीयों को करीब चार महीने जेल में रखने के बाद 26 फरवरी को रिहा किया गया। हालांकि, इजराइल-ईरान युद्ध के चलते वे तुरंत भारत नहीं लौट सके। आखिरकार, सोमवार को ये सभी दुबई के रास्ते मुंबई पहुंचे। मुंबई पहुंचने के बाद नेवी अधिकारियों ने सभी को अपनी कस्टडी में रखा है।

अनिल सिंह की पत्नी गायत्री देवी ने कहा कि मेरे पति को झूठे आरोपों में फंसाया गया था। डीजल तस्करी का आरोप फर्जी था। कोई सबूत ईरान पुलिस को नहीं मिला था, फिर भी सभी को इतने दिनों तक जेल में रखा गया।

अपने देश पहुंचते ही अनिल सिंह (लाल जैकेट) के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

26 फरवरी को मिली रिहाई, लेकिन फंसे रहे

रितुराज ने बताया कि पिता को ईरान की जेल से रिहा कराने के लिए केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय को ऑनलाइन लेटर भेजा था। पीएमओ, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश मंत्रालय को ट्वीट भी किया था। ईरान शासन ने 26 फरवरी को जेल में बंद भारतीयों को रिहा कर दिया। लेकिन, 28 फरवरी से युद्ध शुरू होने की वजह से वे वहीं फंसे रहे। हालात थोड़े सुधरने के बाद सभी को वहां से निकाला गया। सोमवार सुबह करीब 5 बजे वे दुबई से मुंबई पहुंचे।

तिभाओं का उत्सव बना वार्षिक समारोह, बच्चों ने बिखेरी रंगारंग छटा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सोमवार को सरस्वती ज्ञान कुंज विद्यापीठ में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचना-त्मकता का जीवंत मंच बनकर उभरा। विद्यालय परिसर में दोपहर से ही उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां बच्चों की प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं सूरतगंज ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हयारण द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह की शुरुआत गणेश वंदना, स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद लक्ष्मी, इरम, उम्महरम, अंशिका निगम, कैकशा और आराध्या के समूह ने देशभक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। बच्चों के तालमेल, भाव-भंगिमा और प्रस्तुति ने सभी को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गीत-संगीत, भक्ति, देशभक्ति और सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। हर प्रस्तुति के बाद गूंजती तालियों ने बच्चों का उत्साह और बढ़ा दिया। अभिभावक भी इस खास पल को अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए, वहीं कई भावुक क्षणों को अपने दिल में संजोते दिखे।

दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा इस केस में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, जिससे ये पता चलता हो कि बहू को नौकरी सहानुभूति के आधार पर मिली थी। नैतिक दायित्व कितना भी मजबूत क्यों न हो, उसे कानूनी जिम्मेदारी नहीं बनाया जा सकता। मेंटेनेंस सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलेगा, जिनका जिक्र कानून में है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ता की मांग अस्वीकार की, कहा- ऐसा कानून नहीं

'बहू को नहीं देना होगा सास और ससुर का भरण पोषण'

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुजुर्ग दंपती के बहू से मेंटेनेंस का दावा करने वाली याचिका खारिज को कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अपनी बहू से भरण पोषण पाने का कानूनी अधिकार सास-ससुर को नहीं हैं।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता या पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण पोषण पाने वालों की सूची में सास या ससुर को शामिल नहीं किया गया है। यह फैसला न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकल पीठ ने दिया है। दरअसल, आगरा के राकेश कुमार और एक अन्य की

आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की थी। इसमें उन्होंने धारा 144 के तहत अपने बेटे की मृत्यु के बाद बहू से मेंटेनेंस की मांग की थी। 21 अगस्त 2025 में फैमिली कोर्ट ने भी दंपती की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद दोनों ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

वकील ने कहा कि बहू का अपने सास-ससुर की देखभाल करना नैतिक जिम्मेदारी है। इसे कानूनी जिम्मेदारी भी माना जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि दंपती की मांग धारा 144 के तहत कानूनी तौर पर सही नहीं है। क्योंकि इस कानून में गुजारा भत्ता के लिए सास-ससुर का जिक्र नहीं है। इसलिए फैमिली कोर्ट के आदेश में कोई गलती या कमी नहीं है।

आगरा के दंपती ने दाखिल की थी याचिका

आगरा निवासी बुजुर्ग दंपती ने याचिका दाखिल की थी। दंपती के वकील ने दलील दी थी कि बुजुर्ग दंपती अनपढ़ हैं। गरीब माता-पिता हैं। वह अपने इकलौते बेटे प्रवेश कुमार पर पूरी तरह निर्भर थे। प्रवेश यूपी पुलिस में कांस्टेबल थे। प्रवेश की शादी 26 अप्रैल 2016 को हुई थी। 31 मार्च 2021 को उनकी मौत हो गई। प्रवेश कुमार की पत्नी यानी दंपती की बहू भी यूपी पुलिस में कांस्टेबल है। बहू की अच्छी कमाई है। बेटे की नौकरी से जुड़े सर्विस और रिटायरल बेनिफिट्स भी उसे मिले हैं।

क्या है धारा 144

दंपती ने कानून की धारा 144 के तहत गुजारा भत्ता की मांग की थी। इसके अनुसार, कोई भी साधन संपन्न व्यक्ति अगर अपना भरण-पोषण करने में असक्षम पत्नी, वैध-अवैध बच्चे या माता-पिता को गुजारा भत्ता नहीं देता है तो बीएनएस की धारा 144 के तहत मजिस्ट्रेट उसे ऐसा करने का आदेश दे सकते हैं।

जयवीर बोले- बेसिर पैर की बात करना अखिलेश की आदत

आगरा । यूपी के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री व आगरा के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक बार फिर जोरदार निशाना साधा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर दिए गए बयान पर जयवीर सिंह ने आगरा में कहा-बेसिर पैर की बात करना अखिलेश यादव की आदत बन गई है।

अंतिम रूप से तैयारी के बाद ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हुआ था। 15 दिन में उसका विधिवत संचालन शुरू हो जाएगा। प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह सोमवार को आगरा में थे। इस दौरान आगरा जिले में चल रहे विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इससे पहले उन्होंने एत्मादपुर स्थित जैन मंदिर के पर्यटन विकास के कार्यों का शिलान्यास भी किया। नोएडा में रैली के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर सवाल खड़े किए थे।

दरोगा की पत्नी बोली- फॉर्च्यूनर के लिए पति ने जहर दिया

आगरा। आगरा में दरोगा ने फॉर्च्यूनर के लिए अपनी पत्नी को जहर दे दिया, उसे छोड़ कर भाग गया। महिला ने तबीयत बिगड़ने पर पड़ोसियों को बुलाया। वे उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। सूचना पर पहुंचे मायके वाले बेटी को इलाज के लिए मथुरा ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दरोगा की पत्नी के मुताबिक, शादी के बाद से ही पति दहेज में फ्लैट-फॉर्च्यूनर की डिमांड करने लगा। वह आए दिन मुझे मारता-पीटता है। रविवार को उसने मुझे जहर पिला दिया। पति की पोस्टिंग न्यू आगरा थाने में है। मैंने उनके थाने के SHO से भी शिकायत की। इस पर उन्होंने कहा कि तुम पुलिस वालों का कुछ नहीं बिगाड़ पाओगी।

मीनाक्षी फरीदाबाद के वल्लभगढ़ क्षेत्र के चांदपुर गांव की रहने वाली है। उसकी मां ने बताया कि 21 अप्रैल, 2021 को बदायूं के रामपुर के रहने वाले लोकेश भाटी से बेटी की शादी की थी।

उपलब्धि : एसएमएसआईएफ में मथुरा के उद्यमी सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़ी नवल मोटर्स ने एक बार फिर उत्कृष्टता का परिचय देते हुए मथुरा का नाम रोशन किया है। एसएमएसआईएफ (SMSIF) द्वारा आयोजित 40वें वार्षिक समारोह में मथुरा के प्रमुख उद्यमियों को सम्मानित किया गया, जिसमें नवल मोटर्स के अभिषेक अग्रवाल को विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। समारोह के दौरान अभिषेक अग्रवाल को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा, व्यवसाय में निरंतर गुणवत्ता बनाए रखने तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने मथुरा के उद्यमियों की उपलब्धियों की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के सम्मान का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और उनके उत्कृष्ट कार्यों को पहचान देना है।

नवल मोटर्स की इस उपलब्धि से न केवल संस्थान बल्कि पूरे मथुरा जनपद का गौरव बढ़ा है।

तीन मनोनीत सभासदों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुहां। नगर पंचायत कार्यालय चौमुहां में सोमवार को आयोजित एक गरिमामयी समारोह में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) छाता वैभव गुप्ता ने शासन द्वारा मनोनीत तीन नए सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने नव-नियुक्त सभासदों का जोरदार स्वागत किया।

शासन द्वारा मनोनीत सभासद भानु शर्मा, पवन वार्ष्णेय और ज्वाला ताऊ ने विधिवत शपथ ग्रहण किया। शपथ दिलाने के पश्चात एसडीएम वैभव गुप्ता ने कहा कि नए सभासदों के शामिल होने से नगर पंचायत को मजबूती मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी सदस्य दलगत राजनीति से ऊपर उठकर चौमुहां के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका

पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. राजवीर एवं वर्तमान मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह सिसौदिया ने कहा कि पार्टी ने समर्पित कार्यकर्ताओं को यह जिम्मेदारी दी है। मनोनीत सदस्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और नगर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में राजू, कंप्यूटर ऑपरेटर भूरी सिंह, अधिशासी अधिकारी राकेश मिश्र, ईश्वर लाल, रमेश, सभासद दिनेश सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नए सभासदों को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बधाई दी।

'नवनियुक्त आँगनबाडी कार्यकत्रियों सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री उ०प्र० योगी अदित्यनाथ के कर कमलों से दिनांक 30.मार्च 2026 को लोकभवन लखनऊ में नवनियुक्त आँगनवाडी कार्यकर्णी, सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण, नवनिर्मित आँगनबाडी केन्द्र भवन का लोकार्पण / शिलान्यास, आँगनवाडी कार्यकत्रियो को स्मार्ट मोबाइल फोन का वितरण एवं आँगनवाडी केन्द्रों हेतु ग्रोथमानिटरिंग डिवाइस का वितरण इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसका सजीव प्रसारण डी०आर०डी०ए० बारावंकी के गाँधी सभागार में किया गया। बाराबंकी जनपद के 16 नवनियुक्त आँगनवाडी कार्यकत्रियों में से 10 नवनियुक्ति आँगनबाडी कार्यकत्रियो को नियुक्ति पत्र का वितरण लोकभवन लखनऊ में मुख्य मंत्री के द्वारा किया गया।

जनपद स्तर पर उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती राजरानी रावत जिला पंचायत अध्यक्ष,

बाराबंकी एवं विशिष्ट राम सिंह वर्मा, (अध्यक्ष-भाजपा) के द्वारा 05 आँगनबाडी कार्यकत्रियों व 54 नवनियुक्त आँगनबाडी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण, (प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना) के 05 लाभार्थियों को संकेतिक चेक वितरण (5000/-रूपये. की धनराशि), 03 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, 02 बच्चों का अन्नप्राशन तथा नवनिर्मित 09 आँगनबाडी केन्द्र भवनों का लोकार्पण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा बताया गया, कि बाल विकास विभाग मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नित नई ऊचाईयो को छू रहा है।

श्रद्धांजलि एवं पत्रकार सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

सर्वप्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष हमीरपुर जयंती संतराम राजपूत ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवीप्रसाद गुप्ता ने पुष्प अर्पित करते हुए स्वर्गीय दिनेश खरे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । पनवाड़ी (महोबा)। कस्बा पनवाड़ी की महोबा रोड स्थित मुस्कान वाटिका में पूर्व मंडल अध्यक्ष स्वर्गीय दिनेश खरे की 14वीं पुण्य स्मृति पर भव्य श्रद्धांजलि एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन की शुरुआत स्वर्गीय दिनेश खरे के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई।

मुख्य अतिथि देवीप्रसाद गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय दिनेश खरे केवल एक पत्रकार नहीं थे, बल्कि ग्रामीण

पत्रकारिता के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने पत्रकारिता को समाज सेवा का माध्यम बनाया और हमेशा निष्पक्षता, सत्य एवं जनहित को सर्वोपरि रखा। उनके योगदान को पत्रकार समाज कभी भुला नहीं सकेगा। विशिष्ट अतिथि जयंती संतराम राजपूत ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का मजबूत आधार हैं और समाज की वास्तविक तस्वीर सामने लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने स्वर्गीय दिनेश खरे के सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में दिए गए योगदान को प्रेरणास्रोत बताया तथा पत्रकार साथियों के सम्मान में सहयोग राशि प्रदान की। साथ ही आश्वासन दिया कि पत्रकार समाज के हित में जब भी आवश्यकता होगी, वह सदैव साथ खड़ी रहेंगी।

सड़क सुरक्षा मित्रो को एआरटीओ आरआई टीआई ने दी ट्रेनिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। सड़क दुर्घटनाएं कम करने और सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने को लेकर उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय पर माई भारत पोर्टल पर रजिस्टर्ड सड़क सुरक्षा मित्रो का प्रशिक्षण कार्यक्रम सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला, सम्भागीय निरीक्षक बलवन्त सिंह यादव, यातायात प्रभारी रामयतन यादव की अध्यक्षता मे आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे सड़क सुरक्षा मित्रो को नियम, यातायात संकेतों, सड़क सुरक्षा के मानकों का गहनता

युवाओं को नियमों, यातायात प्रबंधन और जिम्मेदारियों के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी

से ज्ञान देते हुये प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे यातायात नियमों का ज्ञान, दुर्घटना स्थल प्रबंधन, गुड सेमेरिटन (नेक इंसान) कानून, ब्लैक स्पॉट की पहचान, प्राथमिक उपचार, ब्लैक स्पॉट, रोड सेफ्टी ऑडिट के प्रति प्रशिक्षित किया गया। इसके उपरान्त सभी स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा किट भी वितरित की गई।

पुल की रेलिंग तोड़कर हवा में लटका ट्रैक्टरों से भरा कंटेनर

दिल्ली-आगरा हाईवे पर बड़ा हादसा टला

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-2) पर सोमवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक फ्लाईओवर पर ट्रैक्टरों से लदा अनियंत्रित कंटेनर पुल की सुरक्षा रेलिंग तोड़ते हुए बाहर की ओर हवा में लटक गया। गनीमत रही कि कंटेनर नीचे नहीं गिरा, अन्यथा बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टरों से भरा कंटेनर दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा था। गोविंद नगर क्षेत्र के फ्लाईओवर पर पहुंचते ही चालक अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार कंटेनर सीधे लोहे और

कंक्रीट की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग पूरी तरह टूट गई और कंटेनर का अगला हिस्सा तथा एक पहिया पुल से बाहर हवा में लटक गया।

घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दृश्य बेहद खौफनाक था और ऐसा लग रहा था कि कंटेनर किसी भी समय नीचे गिर सकता है। हालांकि, वाहन का पिछला हिस्सा पुल पर फंसा रहने से वह गिरने से बच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई।

इस हादसे में चालक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पुल के एक हिस्से पर यातायात रोक दिया और क्रेन की मदद से कंटेनर को सुरक्षित हटाने का कार्य शुरू किया। शुरुआती जांच में हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना या वाहन में तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'देश नक्सलवाद से ...

शाह ने अपने संबोधन में इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'वामपंथी विचारधारा के कारण ये नक्सलवाद फैला है, राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने के लिए इंदिरा गांधी ने भी स्वीकार की थी। मनमोहन सिंह ने पूरे देश के सामने स्वीकार किया था कि कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट की तुलना में भी देश में आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या माओवादी हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ।' अमित शाह ने वामपंथी संगठनों से पूछा कि आपका लड़ने का तरीका क्या है, हम अंग्रेजों के शासन में नहीं रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने भगत सिंह जी और बिरसा मुंडा से तुलना ऐसे लोगों से कर दी, जो अक्षम्य है। आपलोग क्या हिमाकत कर रहे हैं।

हमने वेलफेयर पर ...

आज बीजेपी दावा कर रही है कि हमने इस समस्या का समाधान कर दिया। मनरेगा, फॉरेस्ट राइट्स एक्ट जैसे कदमों का इसमें बड़ा योगदान रहा। 2019 से 2025 के बीच किलिंग बढ़ी, गिरफ्तारियां कम हुईं। सिक्योरिटी रिलेटेड फंड्स 44 परसेंट खर्च नहीं हुए इस वित्तीय वर्ष में। महुआ मोइत्रा ने 2011 से 2017 के बीच नक्सलियों के सरेंडर के आंकड़े बताए और कहा कि हमने मिलिट्री पावर यूज नहीं की। हमने वेलफेयर पर जोर देकर पश्चिम बंगाल को नक्सल मुक्त बनाया।

अमेरिका के लिए ..

इस फैसले के बाद अमेरिकी विमानों को अपना रास्ता बदलना पड़ेगा। हालांकि मानवीय मदद और इमरजेंसी वाली उड़ानों को छूट दी गई है।

अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो ने भी फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि उनका देश ऐसे युद्ध का साथ नहीं देना चाहते जो बिना वजह शुरू किया गया हो और कानून के खिलाफ हो।

इराक के किर्कुक तेल क्षेत्रों से तुर्किये को कच्चे तेल की सप्लाई फिर से शुरू हो गई है। इराक की सरकारी तेल कंपनी SOMO के मुताबिक, अब इराक-तुर्किये पाइपलाइन के जरिए तुर्किये के जयहान बंदरगाह तक ऑयल पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा, कुछ तेल जमीन के रास्ते से भी भेजा जा रहा है।

ईरान ने जंग में ...

उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका दूसरे देशों के जरिए गैर-जरूरी शर्तें रख रहा है।

ईरान ने यह भी कहा कि पाकिस्तान जो बातचीत कराने की कोशिश कर रहा है, वह उसका अपना प्रयास है और उसमें ईरान शामिल नहीं है।

दरअसल, पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए बातचीत कराने की बात कही थी। लेकिन ईरान के इनकार के बाद यह पहल कमजोर पड़ती दिख रही है। दूसरी तरफ ट्रम्प ने कहा कि बातचीत के लिए रास्ता खुला है, लेकिन जरूरत पड़ी तो सैन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

ईयू ने ईरान पर ...

EU ने यह भी साफ किया है कि उसके नागरिक और कंपनियां इन प्रतिबंधित लोगों या संस्थाओं को कोई पैसा या आर्थिक मदद नहीं दे सकतीं। फिलहाल इस सूची में 262 लोग और 53 संस्थाएं शामिल हैं।

गौरतलब है कि EU ने ईरान में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों को लेकर पहली बार 2011 में ये प्रतिबंध लगाए थे और तब से इन्हें हर साल बढ़ाया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश: नेवी...

वहीं आरोपी 35 साल का चिंतादा रविंद्र है। शुरुआती जांच के अनुसार, आरोपी ने प्रेमिका का सिर, हाथ और पैर को धड़ से अलग किया। पैरों और कूल्हे के हिस्से को ट्रॉली बैग में छिपा दिया। धड़ को फ्रिज में रखा। सिर और हाथों को सुनसान इलाके में ले जाकर जलाने की कोशिश की। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो घर और फ्रिज में शव के टुकड़े मिले। मोनिका का सिर गायब था। पुलिस को शक है कि रविंद्र ने उसे किसी दूसरी जगह पर ठिकाने लगाया।

केवल आरएसएस...

जिससे गंभीर बात है, क्योंकि इसके तहत केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) ही विदेशी फंड प्राप्त कर सकेगा, जबकि अन्य संगठनों पर रोक लगा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि RSS में ऐसी क्या खास बात है कि उनके लिए अलग नियम हैं? वे नफरत फैलाते हैं और लोगों को बांटते हैं। भाजपा इसी तरह काम करती है। इससे पहले पतनमतिट्टा में राहुल ने कहा था कि नरेंद्र मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में हैं। ठीक इसी तरह, नरेंद्र मोदी आपके मुख्यमंत्री को भी अपने इशारों पर नचाते हैं।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बेल्दा में चुनावी सभा में कहा- भाजपा समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा भड़का रही है। चुनाव के बाद गैस और कैश देना बंद कर देगी। भाजपा देश लूटना चाहती है।

लश्कर-ए-तैयबा ...

CIK के मुताबिक, इस मामले के तार एक ट्रांजैक्शनल नेटवर्क से जुड़े पाए गए हैं, जिसमें मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर्स से निर्देश मिल रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां 2 महीनों से शब्बीर की गतिविधियों पर नजर रखे थीं।

इस मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। दिल्ली स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया था कि कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास 'फ्री कश्मीर' के देशविरोधी पोस्टर लगा दिए। CISF के जवानों ने इनको देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले 2 आरोपियों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया। पोस्टर लगाने के बाद दोनों कोलकाता भाग गए थे। बाद में 13 फरवरी को केस को स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया गया। टीम कोलकाता पहुंची। वहां लोकल पुलिस के सहयोग से सेल ने उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस विभाग में ...

इसके अलावा आईजी ट्रेनिंग चंद्र प्रकाश को सुरक्षा शाखा भेजा गया है।

इसके अलावा शाहजहांपुर के एसपी राजेश द्विवेदी को अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। एटा के एसपी श्याम नारायण सिंह को एसडीआरएफ भेजा गया है। महोबा के एसपी प्रबल प्रताप सिंह को पुलिस मुख्यालय में एसपी अपराध बनाया गया है। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्रा को सीतापुर स्थित 11वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। कौशांबी के एसपी राजेश कुमार द्वितीय को मेरठ की 44वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है।

क्चर बनाने वाले की ...

UPPCS सचिव अशोक कुमार के अनुसार अभ्यर्थियों के अंकों और श्रेणी-वार/पद-वार कट-ऑफ संबंधित जानकारी जल्द ही आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी. कुल 932 चयनित अभ्यर्थियों में से 613 पुरुष और 319 महिलाएं हैं. महिलाओं की सफलता रेट 34.22% है. इससे पहले PCS-2023 में चुने गए 251 अभ्यर्थियों में से 167 पुरुष और 84 महिलाएं थीं।

जिसमें महिलाओं की सफलता दर लगभग 33.46% थी.

UPPCS-2024 परीक्षा कुल 947 रिक्त पदों के लिए आयोजित की गई थी. प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को हुई थी. जिसमें 576154 आवेदकों में से 241359 अभ्यर्थी शामिल हुए. प्रारंभिक चरण का परिणाम 28 फरवरी, 2025 को घोषित किया गया और 15066 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए उत्तीर्ण हुए थे.

मुख्य परीक्षा 29 जून से 2 जुलाई, 2025 तक आयोजित की गई थी. जिसके परिणाम 4 फरवरी, 2026 को घोषित किए गए. इसमें 2719 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार चरण के लिए चुना गया. साक्षात्कार 16 फरवरी से 20 मार्च, 2026 तक आयोजित किए गए.

एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए

रोहित ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई

खेल

मुंबई इंडियंस 300 आईपीएल मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लिश टीम समरसेट और पाकिस्तान ने टी-20 में सबसे ज्यादा 303-303 मैच खेले हैं।

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने IPL में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा ने अपनी सबसे तेज IPL फिफ्टी लगाई। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर भी बने।

रोहित के अब कोलकाता के खिलाफ 1161 रन हो गए हैं। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल बाद IPL में अपना पहला मैच जीत लिया। टीम ने 2012 में आखिरी बार टूर्नामेंट में ऐसा किया था। तब चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था।

मुंबई इंडियंस ने IPL इतिहास का अपना सबसे बड़ा रनचेज पूरा करते हुए 224 रन का लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले टीम का दूसरा सबसे बड़ा चेज 219 रन का था, जो उसने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 2021 में किया था।

रोहित ने IPL में 50वीं बार 50+ स्कोर बनाया। वे इस सूची में चौथे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 72 स्कोर के साथ टॉप पर हैं। उनके बाद डेविड वॉर्नर (66) और शिखर धवन (53) का नंबर आता है। सुनील नरेन IPL में सबसे ज्यादा 190 मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड (189) दूसरे स्थान पर हैं, जबकि एबी डिविलियर्स और डेविड वॉर्नर 184-184 मैच के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आईपीएल के 19वें संस्करण का दूसरा मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच खेला गया। इस मैच में मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने रेयान रिकेल्टन के साथ पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 148 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की।

रोहित ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई

रोहित शर्मा ने ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। यह IPL में उनकी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उनका सबसे तेज अर्धशतक 25 गेंदों में आया था, जो उन्होंने 2015 के फाइनल में चेन्नई के खिलाफ लगाया था।

मुंबई का सबसे बड़ा रनचेज

रहाणे ने एमआई के खिलाफ छठी बार 50 प्लस स्कोर बनाया

अजिंक्य रहाणे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ छठी बार 50+ स्कोर बनाया। वे इस लिस्ट में शिखर धवन, क्रिस गेल, मनीष पांडे और विराट कोहली के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि केएल राहुल 9 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं।

रोहित ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा 1161 रन बनाए हैं। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में विराट कोहली पंजाब किंग्स (1159) और चेन्नई सुपर किंग्स (1146) के खिलाफ रन बनाकर दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

बेईमानी पर उतरे पाकिस्तानी खिलाड़ी !

पीएसएल में बॉल टेंपरिंग करते पकड़े गए फखर जमान, शाहीन-हारिस का भी रहा हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल 2026 में लाहौर कलंदर्स की टीम पर बॉल टेम्परिंग का आरोप लगा है। इसके लिए टीम पर 5 रन की पैनल्टी भी लगाई गई है। बाद में कराची किंग्स की टीम के खिलाफ लाहौर कलंदर्स की टीम को हार का सामना भी करना पड़ा।

पीएसएल के छठे मैच में हार तो मिली ही, लेकिन बॉल टेम्परिंग विवाद में लाहौर कलंदर्स की टीम बुरी तरह फंस गई हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई पाकिस्तान सुपर लीग को ट्रोल कर रहा है। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है?

हुआ ये की 29 मार्च 2026 को पीएसएल 2026 का छठा मैच लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच था। दूसरी पारी में 19वें ओवर के बाद कराची किंग्स को

जीत के लिए 14 रन की दरकार थी और आखिरी ओवर हारिस रऊफ को कराना था। तभी लाहौर कलंदर्स की टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और फखर जमान बॉलर के रन-अप के पास इकट्ठा हो गए और तीनों खिलाड़ियों ने एक-एक करके गेंद को अपने हाथ में लिया। ये सब कुछ अंपायर फैसल अफरीदी ने देख लिया और उन्होंने तुरंत गेंद मांगी और फिर गेंद को चेक किया। इसके बाद स्क्वेयर लेग के अंपायर से इसको लेकर बातचीत की और फिर ये फैसला लिया कि गेंद से छेड़छाड़ तो हुई है और इसको लेकर लाहौर कलंदर्स को 5 रन की पैनल्टी भी दी। अब कराची किंग्स की टीम को जीत के लिए 9 रन ही बनाने थे और टीम ने 3 गेंद रहते हुए ये मैच 4 विकेट से अपने नाम कर लिया। कराची किंग्स की टीम 129 रन के टारगेट का पीछा कर रही थी और टीम 6 विकेट पर 131 रन बनाकर ये मैच अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी अंपायर के पैनल्टी के फैसले पर नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे की अंपायर इस पर क्या कहेंगे। क्रिकेट के नियम के मुताबिक, बॉल टेम्परिंग होती है तो 5 रन की पेनल्टी दी जाती है और गेंद को बदला जाता है।

धोनी का खेलना मुश्किल, ब्रेविस भी बाहर हो सकते हैं, दोनों का हेड-टु-हेड रिकॉर्ड बराबर

सीएसके पहला मैच आज आरआर के खिलाफ खेलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में तीसरा मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। मैच राजस्थान के सेकेंड होम ग्राउंड गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में होगा। मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस 7 बजे होगा।

पूर्व कप्तान एमएस धोनी का इस मैच में खेलना मुश्किल है। CSK ने शनिवार को एक पोस्ट में बताया, धोनी IPL 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। वे मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है।

CSK पांच बार (2010, 2011, 2018, 2021, 2023) की चैंपियन रही है, लेकिन टीम का पिछला

सीजन काफी खराब रहा था। टीम पॉइंट्स टेबल में आखिरी यानी 10वें स्थान पर रही थी। वहीं, RR ने अब तक एक बार खिताब जीता है, लेकिन पिछला सीजन उनके लिए भी अच्छा नहीं रहा और टीम 9वें स्थान पर रही। चेन्नई की बल्लेबाजी इस बार काफी मजबूत नजर आ रही है। शिवम दुबे और आयुष म्हात्रे मिडिल ऑर्डर में टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन चुके हैं, जबकि युवा खिलाड़ी संजू सैमसन भी टीम को मजबूती दे रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे। डेवाल्ड ब्रेविस इंजरी के कारण शुरुआती मैच से बाहर रह सकते हैं।

राजस्थान और चेन्नई के बीच हेड टु हेड मुकाबले बेहद कड़े रहते हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक 32 मैच खेले गए, दोनों को 16-16 में जीत मिली। दोनों टीमों के बीच गुवाहाटी में अब तक केवल एक मैच हुआ, यहां पिछले सीजन ही राजस्थान को 6 रन से जीत मिली थी।

सैमसन-जडेजा पुरानी टीम के खिलाफ उतरेंगे

संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा इस सीजन अपनी-अपनी पुरानी टीमों के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। सैमसन पिछले एक दशक से ज्यादा समय तक राजस्थान का हिस्सा रहे, अब चेन्नई की जर्सी में दिखाई देंगे। वहीं, लंबे समय तक चेन्नई के लिए खेलने वाले जडेजा इस बार राजस्थान की ओर से मैदान में उतरेंगे।

मनोरंजन

दूसरी बार पापा बने एक्टर ने कहा- 'हमारा साम्राज्य बड़ा हो गया'

विवियन डीसेना के घर आया 'नन्हा राजकुमार'

नई दिल्ली। मधुबाला फेम एक्टर विवियन डीसेना (Vivian Dsena) दूसरी बार पापा बन गए हैं। उन्होंने बीवी नौरान अली के साथ दूसरे बच्चे का स्वागत किया है। विवियन डीसेना और नौरान अली ने हाल ही में बेबी ब्वॉय का स्वागत किया है। कपल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी अपने चाहने वालों को दी है। विवियन डीसेना ने एक प्यारे पोस्ट के जरिए अपने 'प्रिंस' के जन्म की खुशखबरी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि आखिर वह क्यों कुछ समय से लाइमलाइट से दूर थे। इसकी वजह उनकी वाइफ की प्रेग्नेंसी थी। अब विवियन ने बेबी ब्वॉय के जन्म की खुशी जाहिर करते हुए अपने पोस्ट में लिखा कुछ समय के लिए नजरों से ओझल हो गया था और इसकी एक वजह भी थी। कुछ कहानियों का ऐलान नहीं किया जाता, उन्हें पहले जिया जाता है। उस खामोशी ने ही सब कुछ कह दिया। हमारा साम्राज्य अब और भी बड़ा हो गया है और इस बार एक राजकुमार आया है। विवियन डीसेना ने साल 2022 में एजिप्ट की रहने वालीं जर्नलिस्ट नौरान अली से शादी की थी। साल 2023 में नौरान के साथ विवियन ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। उनके घर में एक बेटी ने जन्म लिया था जिसका नाम Layan है। नौरान की पहली शादी से उन्हें दो बेटियां भी हैं, जिनका विवियन के साथ बहुत अच्छा बॉन्ड है। अब विवियन चार-चार बच्चों के पिता बन गए हैं।

विवियन डीसेना और नौरान अली ने बेटे का स्वागत किया
विवियन डीसेना ने दूसरी बार पिता बनने की दी खुशखबरी
विवियन डीसेना ने साल 2023 में बेटी का किया था स्वागत

विवियन-नौरान को सेलेब्स ने दी बधाई

विवियन डीसेना की इस अनाउंसमेंट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस और सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। अली गोनी ने कमेंट बॉक्स में लिखा, भाई बहुत मुबारक। रुबीना दिलैक ने लिखा, ओह माय गॉड। खूबसूरत। तुम्हें और नौरान को बधाई।ह इसके अलावा ईशा सिंह और भारती सिंह समेत कई सेलेब्स ने कपल को बधाई दी है।

अनीत पड्डा की शक्ति शालिनी में 'खलनायक' की हुई एंट्री

सनी देओल से भी पंगा ले चुका है अभिनेता

नई दिल्ली, एजेंसी

मोस्ट एंटीसिपेटेड हॉरर फिल्म शक्ति शालिनी (Shakti Shalini) को पहले हीरोइन मिली और फिर हीरो। अब खबर है कि इस मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म में खलनायक की भी एंट्री हो गई है।

जी हां, हॉरर थ्रिलर शक्ति शालिनी में खलनायक (Shakti Shalini Villain) को कास्ट कर लिया है। इस फिल्म में जिस अभिनेता को कास्ट में शामिल किया गया है, वह पहले भी बड़ी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। उन्होंने विक्की कौशल और सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अहम भूमिका निभाकर लाइमलाइट बटोरी है।शक्ति शालिनी मैडॉक

हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा की रिलीज के वक्त ही शक्ति शालिनी की अनाउंसमेंट हो गई थी। तभी अनीत पड्डा मेन लीड के लिए फाइनल थीं। कुछ समय पहले ही फिल्म में विशाल जेठवा (Vishal Jethwa) की बतौर लीड एक्टर एंट्री हुई। अब खबर आ रही है कि अनीत पड्डा और विशाल जेठवा के बाद फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हुई है जो हॉरर थ्रिलर में खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

'बाहुबली' का सिंहासन खा गया 'हमजा' !

धुरंधर 2 ने तोड़ा प्रभास का 9 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर 2 हर दिन कमाई से नया इतिहास रच रही है। भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजार में भी धुरंधरः द रिवेंज का दबदबा देखने को मिल रहा है।

रिलीज के 10 दिनों के अंदर ही धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कई सुपर-डुपर हिट फिल्मों का सफाया कर दिया है और इस लिसट में प्रभास की ब्लॉकबस्टर बाहुबली 2 (Baahubali 2) भी शामिल है।

जी हां, रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 2 ने 9 साल पुराना बाहुबली 2 का सिंहासन छीन लिया है और खुद गद्दी पर बैठ गया है। धुरंधर 2 अब विदेशी जमीन पर सबसे ज्यादा कमाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी बाहुबली 2 (Baahubali 2 Box Office Record) नॉर्थ अमेरिका में सबसे ज्यादा कमाई

करने वाली भारतीय फिल्म थी। इस फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में 20 मिलियन डॉलर (188 करोड़ रुपये लगभग) की कमाई करके इतिहास रचा था। 9 साल तक बाहुबली 2 का ये रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ पाया था लेकिन अब आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 ने प्रभास की फिल्म का ये रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। बॉक्स ऑफिस मोजो के मुताबिक, धुरंधर 2 अभी तक नॉर्थ अमेरिका में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसने 22 मिलियन डॉलर (207 करोड़ रुपये लगभग) का कारोबार कर लिया है।

बेटे को जन्म दिया, खुशखबरी शेयर कर कहा- हमारा परिवार बड़ा हो गया है

40 की उम्र में सोनम कपूर दूसरी बार मां बनीं

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर दूसरी बार मां बनी हैं। उन्होंने 29 मार्च को मुंबई में बेटे को जन्म दिया। इससे पहले उनका एक बेटा वायु है। सोनम और उनके पति आनंद आहूजा ने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर की।

कपल ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा,

बहुत खुशी और प्यार के साथ हम यह बताना चाहते हैं कि आज, 29 मार्च 2026 को हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है। अब हमारा परिवार बड़ा हो गया है और उसके आने से हमारे दिल खुशी से भर गए हैं। वायु अपने छोटे भाई के आने से

बहुत खुश है। इस नन्हे मेहमान ने हमारे घर में ढेर सारी खुशियां ला दी हैं। हम अब चार लोगों का परिवार बनकर इस नई शुरुआत के लिए बहुत आभारी हैं। प्यार के साथ- सोनम, आनंद और वायु।

खुशखबरी के बाद करीना कपूर, आलिया भट्ट, दीया मिर्जा, हुमा कुरैशी समेत कई सेलेब्स कपल को शुभकाम-

फरवरी में गोद भराई की रस्म हुई थी

सोनम कपूर की गोद भराई की रस्म फरवरी में हुई थी, जिसमें कपूर और आहूजा परिवार समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए। एक्ट्रेस ने तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर लिखा था, 'सीमंतोन्नयन, सनातन धर्म के सोलह संस्कारों में तीसरा संस्कार है। इसे आमतौर पर "बालों की मांग भरने की रस्म" कहा जाता है, जो मां और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे का सम्मान करती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे गोद भराई, श्रीमंत, दोहाले जेवन, शाद, सीमन्थम, वलैकप्पु, सीमंथा, पुलिक्कुड़ी और साधभक्षण। नाम भले बदल जाएं, लेकिन इसका भाव एक ही होता है, नए जीवन के लिए प्यार, सुरक्षा और खुशियों का आशीर्वाद।'

नाएं दे रहे हैं। सोनम कपूर ने नवंबर 2025 में दूसरी बार मां बनने की खुशखबरी फैंस को दी थी। उन्होंने पिंक ग्लैमरस आउटफिट में मदरहुड कैप्शन के साथ इसकी घोषणा की। इसके बाद उनके प्रेग्नेंसी लुक चर्चा में रहे।

सैनिकों ने हिरासत में लिया था, ऑपरेशन से हटाकर ट्रेनिंग में भेजा

इजराइल ने सीएनएन पत्रकारों से बदसलूकी पर बटालियन सस्पेंड की

निर्णय

तेल अवीव, एजेंसी

वेस्ट बैंक में CNN पत्रकारों से बदसलूकी और हिरासत मामले में इजराइली सेना ने पूरी बटालियन को सस्पेंड किया और रिजर्व बटालियन की ऑपरेशनल गतिविधियां भी रोक दीं। यह बटालियन नेत्जाह यूनिट का हिस्सा है। सेना के मुताबिक बटालियन को तुरंत वेस्ट बैंक से हटाकर ट्रेनिंग पर भेजा गया है और जांच पूरी होने तक यह किसी ऑपरेशन में शामिल नहीं होगी।

यह घटना पिछले हफ्ते फिलिस्तीनी गांव तायासिर में हुई, जहां CNN टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। आरोप है कि सैनिकों ने टीम को

हिरासत में लिया और एक फोटो जर्नलिस्ट से मारपीट की, जिससे उसका कैमरा टूट गया। इजराइली सेना ने कहा कि बटालियन को प्रोफेशनल और एथिकल ट्रेनिंग दी जाएगी और मामले में शामिल सैनिकों पर अलग से कार्रवाई होगी। 1948 में जब इस देश का गठन हुआ था। तब हरेदी समुदाय से आने वाले 400 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स पुरुषों को सेना में सेवा से छूट दी थी। इसका मकसद था कि ये लोग धार्मिक शिक्षा और यहूदी परंपराओं को बचाने का काम जारी रख सकें। धीरे-धीरे हरेदी समुदाय के लोगों का आंकड़ा बढ़ता गया जो सेना में शामिल होने से बचते रहे। इससे बाकी समुदाय नाराज रहने लगे। इसके बाद सरकार ने 1999 में नेत्जाह येहूदा यूनिट बनाई जहां वे अपनी धार्मिक पहचान बनाए रखते हुए सेना में सेवा दे सकें।

इजराइल में हर किसी के लिए जरूरी रूप से सेना में शामिल होने का नियम है। पुरुषों को लगभग तीन साल और महिलाओं को दो साल सेना में सेवा देनी होती है। यह यूनिट इजराइली सेना की कफिर ब्रिगेड का हिस्सा है।

इजराइली सैनिकों ने पत्रकार का गला पकड़ा

26 मार्च को वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनी गांव तयासिर में CNN की टीम रिपोर्टिंग कर रही थी। कुछ समय पहले ही वहां इजराइली सेटलर्स ने हमला किया था। उसी के बाद की स्थिति दिखाने के लिए CNN के पत्रकार जेरेमी डायमंड अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे थे। CNN की टीम तयासिर के हालात कैमरे पर रिकॉर्ड कर रही थी और चश्मदीदों से बात कर रही थी। तभी अचानक वहां इजरायली सैनिकों की टीम पहुंची। शुरुआत में सैनिकों ने टीम से सवाल-जवाब किए, लेकिन माहौल जल्दी ही तनावपूर्ण हो गया। कुछ ही देर में सैनिकों ने टीम को आगे बढ़ने से रोक दिया और उन्हें वहीं रोककर हिरासत में ले लिया। इसी दौरान हालात और बिगड़ गए।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने हमले की निंदा की

वेस्ट बैंक में CNN की टीम के साथ हुई बदसलूकी को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (FPA) ने निंदा की। संगठन ने इस घटना को हिंसक हमला बताते हुए प्रेस की आजादी पर सीधा हमला करार दिया। संगठन ने आरोप लगाया कि सैनिकों ने पत्रकारों और वहां मौजूद लोगों पर बंदूक तान दी, जबकि पत्रकार अपनी पहचान बता चुके थे। इतना ही नहीं, टीम को शूटिंग बंद करने के लिए मजबूर किया गया और कैमरा छीनने की धमकी भी दी गई।संगठन ने इस मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि यह घटना दिखाती है कि मीडिया के प्रति दुश्मनी बढ़ रही है, जो बेहद चिंताजनक है।

'खून' जैसा लाल क्यों हो गया ऑस्ट्रेलिया का आसमान?

रहस्यमयी नजारा देख लोग बोले- कयामत आने वाली है

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की एक हैरान करने वाली तस्वीर ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में आसमान का रंग बदलकर गहरा लाल हो गया, जो किसी प्रलय के दृश्य जैसा लग रहा था। AcuWeather की ओर से एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में दिन के उजाले की जगह एक गहरी लाल रंग की चमक दिखाई दे रही। इसे देखने वाले लोगों ने कई कमेंट्स किए। उन्होंने इसे किसी दूसरी दुनिया का दृश्य बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसकी तुलना किसी भयानक भविष्य या दुनिया के अंत वाले दृश्यों से की। यह स्थिति अपने आप में डरावनी जरूर है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह खतरनाक भी हो। ऐसा लगता है कि हवा में धूल की काफी ज्यादा मात्रा मौजूद है, जिसका इस्तेमाल इस इलाके के मौसम के मिजाज को समझने के लिए किया जा सकता है।

आसमान के इस अजीब रंग की वजह एक वैज्ञानिक घटना हो सकती है, जिसे 'प्रकाश का प्रकीर्णन' कहा जाता है। सूरज की रोशनी कई अलग-अलग तरंगदैर्ध्य से मिलकर बनी होती है, जिनमें से हर एक किसी खास रंग को दर्शाती है। आमतौर पर छोटी तरंगदैर्ध्य वाली किरणें ज्यादा आसानी से बिखरती हैं। जैसे कि नीली किरणें। इसी वजह से आसमान हमें नीला दिखाई देता है। लेकिन, अगर वातावरण में बड़े कणों की मात्रा बढ़ जाए तो वे छोटी तरंगदैर्ध्य वाली किरणों को बिखेर देते हैं और वजह से लाल या नारंगी जैसी दूसरी तरंगदैर्ध्य वाली किरणें हमें दिखाई देने लगती हैं।

फास्ट न्यूज

चीन ने उत्तर कोरिया के लिए फिर शुरू कीं सीधी उड़ानें

नई दिल्ली। चीन की राष्ट्रीय विमानन कंपनी ने सोमवार को बीजिंग और उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू कर दीं। चीन ने यह कदम यात्री ट्रेन सेवाओं की बहाली के कुछ ही समय बाद उठाया है। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, एयर चाइना की उड़ान का स्वागत उत्तर कोरिया में चीन के राजदूत वांग यानजुन और अन्य राजनयिकों ने किया।

1973 में भी दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के लिए मचा था हाहाकार

नई दिल्ली। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के बाद अमेरिका ईरान के अंदर जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर रहा है। इसमें ईरान के मुख्य कच्चे तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर कब्जा या उसे ब्लॉक करना शामिल है, ताकि ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया जा सके। साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग के लिए खतरा पैदा करने वाले हथियार सिस्टम और मिसाइल लॉन्च साइट्स को नष्ट करने के लिए तटीय इलाकों पर छापे मारने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान से यूरेनियम निकालने के लिए ट्रंप ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ईरान में ग्राउंड ऑपरेशन करने पर विचार रहे हैं। इस बात का दावा यूएस की मीडिया ने किया है। इस ऑपरेशन का मकसद लगभग 970 पाउंड (करीब 400 किलोग्राम) एनरिच्ड यूरेनियम को बाहर निकालना है, जिसका इस्तेमाल तेहरान संभावित रूप से परमाणु हथियार बनाने के लिए कर सकता है।

भारत-चीन के बीच बढ़ी हवाई कनेक्टिविटी

इंडिगो ने शुरू की शंघाई-कोलकाता के लिए सीधी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिगो एयरलाइन ने सोमवार को शंघाई से कोलकाता के लिए अपनी दैनिक उड़ान शुरू की है, जिससे भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में वृद्धि हुई है। इंडिगो की 6E उड़ान का शुभारंभ शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने किया। इस अवसर पर माथुर ने इंडिगो प्रबंधन टीम से भी मुलाकात की।

उन्होंने सकारात्मक गति पर जोर दिया और बढ़ती हवाई कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों के माध्यम से व्यक्त किए जा रहे बढ़ते विश्वास और उत्साह की सराहना की। भारतीय एयरलाइनों जैसे इंडिगो और एअर इंडिया ने शंघाई को नई दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों से जोड़ना शुरू कर दिया है।

नई दिल्ली के बाद कोलकाता दूसरा भारतीय महानगर है जो अब चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, एयर चाइना 21 अप्रैल से बीजिंग और नई दिल्ली के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है। माथुर ने कहा कि शंघाई-कोलकाता को जोड़ने वाला यह नया मार्ग भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को भी गति देगा। उन्होंने कहा कि यह नई कनेक्टिविटी पूर्वी भारत और पूर्वी चीन के बीच, क्रमशः कोलकाता और शंघाई जैसे दो प्रमुख शहरों के नेतृत्व में, आपसी संबंधों को और मजबूत करेगी।

5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म, स्कूलों और कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलने होंगे

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है।

सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी।

परीक्षा के रिजल्ट तय समय पर जारी करने के आदेश

इसके अलावा, यूनिवर्सिटीज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे परीक्षा के रिजल्ट तय समय के भीतर ही जारी करें। सरकार का कहना है कि अब तक रिजल्ट में देरी की वजह से छात्रों का भविष्य प्रभावित होता रहा है और कई बार उन्हें पढ़ाई छोड़कर विदेश जाना पड़ता है। सरकार का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था में देरी और गड़बड़ी की बड़ी वजह राजनीतिक दखल रही है। नए नियमों के जरिए अब पढ़ाई का शेड्यूल तय समय पर लागू किया जाएगा।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने शनिवार को अपनी कैबिनेट के साथ बैठक की।

ग्रेजुएशन तक पढ़ाई के लिए नेपाली नागरिकता जरूरी नहीं

सरकार ने साफ कहा है कि अब स्कूल और कॉलेज राजनीति के अड्डे नहीं होंगे, बल्कि सिर्फ पढ़ाई के लिए काम करेंगे। लंबे समय से शिक्षा संस्थानों में चल रही राजनीतिक दखल को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

छात्रों के लिए कुछ और अहम बदलाव भी किए गए हैं। अब ग्रेजुएशन तक पढ़ाई के लिए नेपाली नागरिकता जरूरी नहीं होगी, ताकि दस्तावेजों की कमी के कारण किसी की पढ़ाई न रुके। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन स्कूलों और कॉलेजों के नाम विदेशी हैं, जैसे ऑक्सफोर्ड, पेंटागन या सेंट जेवियर्स, उन्हें इस साल के भीतर अपने नाम बदलने होंगे।

नेताओं-अफसरों की संपत्ति की जांच की जाएगी

नेपाल सरकार के प्लान के मुताबिक बड़े नेताओं और अफसरों की संपत्ति की जांच की जाएगी। इसके लिए 15 दिनों के अंदर एक कमेटी बनाई जाएगी, जो 2006 के बाद बड़े पद पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच करेगी। इसके बाद 1991 से 2006 के बीच के मामलों को भी देखा जाएगा। सरकार चाहती है कि सरकारी कामकाज साफ-सुथरा और जिम्मेदारी से हो। इसके लिए हर मंत्रालय को अपना काम तय समय में पूरा करना होगा। किसे क्या करना है और कब तक करना है, यह पहले से तय रहेगा और इसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को देनी होगी।

जहरीले रिसाव की चेतावनी, लोगों को आदेश- घर में रहें, खिड़कियां बंद रखें

ईरान का इजराइल के केमिकल प्लांट पर हमला

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने दक्षिणी इजराइल में एक केमिकल प्लांट पर मिसाइल हमला किया है, जिससे प्लांट में भीषण आग लग गई है। इससे इलाके में जहरीले रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। हमला नियोत होवाव इंडस्ट्रियल जोन में हुआ, जो बीयरशेवा शहर से करीब 9 किलोमीटर दूर स्थित है। हमले के बाद अधिकारियों ने आसपास के लोगों को घरों में रहने और खिड़कियां बंद रखने की सलाह दी है, क्योंकि प्लांट में खतरनाक रसायन मौजूद हैं।

इसी बीच भारत आ रहे दो LPG टैंकरों ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है। इन जहाजों पर 94 हजार मीट्रिक टन LPG लदी हुई है। BW TYR और BW ELM नाम के इन जहाजों को भारतीय नौसेना सुरक्षा दे रही है। सरकार के मुताबिक, ये दोनों टैंकर इसी हफ्ते मुंबई पहुंच सकते हैं। इससे पहले 4 भारतीय झंडे वाले LPG टैंकर भी इस अहम समुद्री रास्ते को पार कर चुके हैं, जबकि 3 अन्य अभी पश्चिमी हिस्से में हैं।

बगदाद के पास अमेरिकी सैन्य ठिकाने विक्टोरिया बेस, जिसे कैंप विक्ट्री भी कहते हैं, उस पर हमला हुआ है।

स्थानीय सूत्रों से मिली अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार, बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित इस ठिकाने पर हुई घटना में एक अमेरिकी हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया गया हो सकता है। उधर, इराकी सशस्त्र समूह ने US ठिकानों पर हमलों की ज़िम्मेदारी ली। इराकी सशस्त्र समूह 'सराया औलिया अल-दम' ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा है कि उसने पिछले 24 घंटों में इस क्षेत्र में US ठिकानों को निशाना बनाते हुए आठ हमले किए हैं।

LPG से लदे जहाजों को भारतीय नौसेना एस्कॉर्ट कर रही है।

ट्रम्प का दावा- ईरान ने अमेरिका को 20 ऑइल शिप दिए

अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि ईरान ने अमेरिका को 20 बड़े तेल के जहाज दिए हैं, जो कल सुबह से होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरेंगे। कुवैत का कहना है कि बिजली और डिसैलिनेशन प्लांट पर ईरानी हमले में एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने बताया है कि इस हमले में संयंत्र परिसर में स्थित एक सर्विस बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा है।

सोना 3 हजार बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

चांदी 6 हजार बढ़कर 2.28 लाख हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 30 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3 हजार रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 6 हजार रुपए बढ़कर 2.28 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

मिडिल ईस्ट संकटः अगर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और बढ़ता है या कच्चे तेल की कीमतें फिर से उछलती हैं तो सोने-चांदी में दोबारा तेजी आ सकती है।

अमेरिकी डेटाः अगर अमेरिका के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से बेहतर आते हैं तो डॉलर मजबूत होगा और इससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

एक्सपर्ट्स के इनुसार, रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद सोना फिलहाल 'करेक्शन फेज' (कीमतों में सुधार) में है। शॉर्ट टर्म में मोमेंटम थोड़ा कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन लॉन्ग टर्म में तेजी का रुझान बरकरार है। ऐसे में निवेशक सोने में थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

इस साल सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली है। बीते साल के आखिर में सोना 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 1.46 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत इस साल अब तक 22 हजार बढ़ चुकी है। हालांकि चांदी की कीमत में 2 हजार की कमी आई है।

फैसला : हर जिले में 2 पंपों पर सुविधा होगी, तेल कंपनियां 5 हजार लीटर स्टॉक रख सकेंगी

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, केंद्र का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने रविवार को फैसला लिया है कि अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर भी केरोसिन मिल सकेगा। अब सरकारी तेल कंपनियां तय किए गए पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन रख और बांट सकेंगी।

हर जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुनेंगे, जहां यह सुविधा दी जाएगी। इन पेट्रोल पंपों पर अधिकतम 5 हजार लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा।

सरकार ने सप्लाई आसान बनाने

के लिए 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के नियमों में ढील दी है, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक तेल समय पर पहुंच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा था कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है।

सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।

सरकार बोली- कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक

सरकार के अनुसार सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है। घरेलू खपत को देखते हुए रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है। कुछ राज्यों में अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और ज्यादा बिक्री देखने को मिली। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की कमी नहीं है और लोगों से अपील की गई है कि घबराकर खरीदारी न करें।

केरोसिन और वैकल्पिक ईंधन पर जोर

सरकार ने राज्यों को अतिरिक्त 48000 किलो लीटर (4 करोड़ 80 लाख लीटर) केरोसिन आवंटित किया है। एलपीजी की मांग कम करने के लिए केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

> **सरकार ने ये फैसला अमेरिका-इजराइल के ईरान संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण भारत में गैस, पेट्रोल-डीजल की कमी है। केंद्र सरकार लगातार मौजूदा हालात पर चिंता जता रही है।**

सिकाडा बीए.3.2 वेरिएंट ने मचाया हाहाकार

23 देशों में फिर फैल रहा कोरोना

नई दिल्ली, एजेंसी

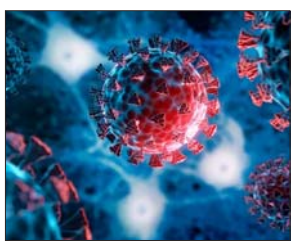

ओमिक्रॉन का एक नया सब-वेरिएंट BA.3.2 23 देशों में पाया गया है। इसे 'सिकाडा' नाम दिया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि Covid-19 का एक नया वेरिएंट पूरी दुनिया में चुपचाप फैल रहा है। इसमें म्यूटेशन की संख्या असामान्य रूप से ज्यादा है, जिसकी मदद से यह मौजूदा इम्युनिटी को भी चकमा दे सकता है। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (CDC) के अनुसार, इस वेरिएंट स्ट्रेन सबसे पहले नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका में पहचाना गया था और अब तक कम से कम 23 देशों में इसका पता चला है। इसे सिकाडा वेरिएंट नाम दिया इसलिए दिया गया है, क्योंकि यह उस शोर मचाने वाले कीड़े की तरह ही सालों तक किसी की नजर में आए बिना अचानक बड़ी संख्या में सामने आया। BA.3.2 अपनी जेनेटिक विविधता के लिए जाना जाता है। इसके स्पाइक प्रोटीन में लगभग 70-75 म्यूटेशन होते हैं। स्पाइक प्रोटीन ही वायरस का वह हिस्सा है, जिसकी मदद से यह इंसानी कोशिकाओं से जुड़ पाता है।

सीडीसी ने बताया कि इसकी तुलना में, हाल ही में सामने आए दूसरे स्ट्रेन जैसे कि इसके पहले के वेरिएंट JN.1 और LP.8.1 के स्पाइक प्रोटीन में 30-40 म्यूटेशन ही होते हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96